सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 80, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या है 'जय जगत' का नारा, जिससे कांग्रेस में है हलचल

– प्रशांत श्रीवास्तव

सचिन राव कांग्रेस में उस समूह के अहम सदस्य हैं जिसे 'जय जगत ग्रुप' कहा जाता है–यह नेताओं का एक अनौपचारिक सर्कल है, जिन्हें राहुल गांधी के करीबी माना जाता है। यह समूह कांग्रेस में एक पावर सेंटर बनकर उभरा है और इसके कई सदस्यों और इस समूह की बढ़ती ताकत ने कुछ पार्टी सदस्य विभिन्न राज्यों में बड़े संगठनात्मक पदों पर हैं। सीनियर एआईसीसी अधिकारियों का कहना है कि इस अनौपचारिक समूह के सदस्य पार्टी के बड़े फैसलों में अहम भूमिका निभाते हैं–चाहे वह जाति जनगणना की मांग हो या 'वोट चोरी' अभियान। सचिन राव के अलावा जो लोग इस समूह का हिस्सा माने जाते हैं, उनमें शामिल हैं: मीनाक्षी नटराजन (तेलंगाना की एआईसीसी इंचार्ज); बिहार इंचार्ज कृष्णा अल्लावरू; के. राजू (झारखंड इंचार्ज); ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के चेयरमैन प्रवीण चक्रवर्ती; राहुल गांधी के करीबी अलंकार सवाई; यूथ कांग्रेस इंचार्ज मनीष शर्मा; और महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल।

पार्टी नेताओं का कहना है कि 'जय जगत' कोई समूह नहीं, बल्कि एक नारा है, जिसकी जड़ें सर्वोदय आंदोलन में हैं। पार्टी के एक नेता ने कहा, 'जय जगत कांग्रेस के अंदर कोई औपचारिक गुट नहीं है। यह सिर्फ एक अभिवादन है जिसे ये लोग आपस में इस्तेमाल करते हैं। सचिन मुझे बताया गया कि राव अपने वर्धा (महाराष्ट्र) के ट्रेनिंग कैंपों में अक्सर इसी नारे का इस्तेमाल करते हैं। '

सपकाल ने भी कहा, 'जय जगत न तो कोई समूह है, न ही कोई खास नारा; यह एक सरल और समावेशी अभिवादन है, जिसकी जड़ें 1948 के सर्वोदय आंदोलन में हैं, जो अहिंसा और सामाजिक न्याय की बात करता था। 'जय जगत' का जाति या धर्म से कोई लेना-देना नहीं, यह एक ऐसी सोच है, जो इन विभाजनों से ऊपर उठती है। 'सपकाल के व्हाट्सऐप स्टेटस में भी 'जय जगत' लिखा हुआ है। 'जय जगत' सचिन राव के ट्रेनिंग सेशनों में अक्सर सुनने को मिलता है, जिन्हें 'अहिंसा के रास्ते' या 'अहिंसक मार्ग' कहा जाता है। इन सेशनों में राव गांधीवादी सोच के बारे में बात करते हैं और बताते हैं कि यह कांग्रेस के मूल मूल्यों से कैसे जुड़ी है। वह प्रतिभागियों से कहते हैं कि वे जाति और धर्म से ऊपर सोचें, लेकिन इसके साथ ही वह वंचित समुदायों के लिए कल्याणकारी कदमों की ज़रूरत पर भी जोर देते हैं। ये सेशन पार्टी के 'संगम' प्रोग्राम के बैनर तले आयोजित किए जाते हैं। संगम खुद को इस तरह बताता है कि उसका लक्ष्य 'ऐसी लीडरशिप और राजनीति को तैयार करना है, जो भारत को संविधान की दिशा में और मानवता को सर्वोदय की ओर ले जाए।' संगम के बोर्ड में सीनियर कांग्रेस नेता जैसे सैम पित्रोदा और मीनाक्षी नटराजन शामिल हैं।

'अहिंसा के रास्ते' के अलावा, जो सभी के लिए खुला है, संगम वर्धा में युवा नेताओं और उभरते कांग्रेस नेताओं के लिए खास ट्रेनिंग भी आयोजित करता है। इन ट्रेनिंग सेशनों के अंत में अक्सर 'जय जगत' का नारा लगाया जाता है। कांग्रेस पार्टी के संविधान में लिखा है कि हमारा लक्ष्य विश्व शांति और भाईचारा बढ़ाना है। 'जय जगत' नारा कांग्रेस की इस आकांक्षा को अच्छी तरह व्यक्त करता है। सर्वोदय आंदोलन इसे लंबे समय से इस्तेमाल करता आ रहा है।'

उन्होंने 'जय जगत ग्रुप' की मौजूदगी को पूरी तरह फर्जी और काल्पनिक बताया। राव मूल रूप से उडुपी के रहने वाले हैं और उनकी परवरिश मुंबई में हुई। उनके पास कंप्यूटर साइंस की डिग्री और एमबीए है। वह लगभग 18 साल से युवाओं पर केंद्रित राजनीतिक काम में सक्रिय हैं। वह यूपीए दौर से राहुल गांधी के काफी करीब काम कर रहे हैं। राव की तरह, अल्लावरू, चक्रवर्ती और मनीष शर्मा भी कॉर्पोरेट पृष्ठभूमि से आते हैं।

इसी बीच, पार्टी के अंदर इस तथाकथित 'जय जगत ग्रुप' के खिलाफ नाराज़गी बढ़ रही है। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि इस समूह के सदस्यों को बड़े पद दिए गए हैं, लेकिन वे हमेशा ज़मीनी राजनीति से जुड़े नहीं होते। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश के रहने वाले अल्लावरू को बिहार का इंचार्ज बनाया गया, लेकिन उन पर पार्टी के कई सहयोगियों ने आरोप लगाए कि वह उनसे सलाह नहीं लेते और विधानसभा चुनाव में टिकटों के बंटवारे को मनमाना बताया गया।

2010 में इंडियन यूथ कांग्रेस में नेशनल एग्ज़िक्यूटिव सदस्य बनने से पहले, अल्लावरू पांच साल तक सिंगापुर में बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप में कंसल्टेंट थे। एक अन्य सदस्य, के. राजू, जो आंध्र प्रदेश के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं, उन्हें झारखंड का इंचार्ज बनाया गया है। मनीष शर्मा को इंडियन यूथ कांग्रेस का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। एक सांसद ने कहा, 'इन लोगों को उन राज्यों की कितनी समझ है? भाषा की दिक्कत भी होगी। स्वाभाविक है कि नेताओं में यह भावना है कि 'जय जगत ग्रुप' को ज़रूरत से ज़्यादा और अनुचित तवज्जो मिल रही है।' एक अन्य सांसद ने बताया कि राहुल गांधी उन लोगों को पसंद करते हैं जो 'नम्र और ज़मीन से जुड़े हों, लेकिन ये 'जय जगत' वाले सिर्फ दिखावा करते हैं।' उन्होंने कहा, 'कुछ लोग एआईसीसी ऑफिस ऑटो या कैब से आते हैं और घिसी हुई चप्पलें पहनते हैं, लेकिन बाकी समय लग्ज़री कारों में घूमते हैं।

'दूसरे नेता ने कहा, 'इनमें से कई लोग ज़मीनी राजनीति से जुड़े भी नहीं हैं, फिर भी बड़े संगठनात्मक पदों पर बैठे हैं। वे ग्राउंड पॉलिटिक्स के लिए कॉर्पोरेट जैसी रणनीति बताते हैं। इससे पार्टी में नाराज़गी बढ़ रही है।' प्रियंका गांधी की टीम के एक सदस्य ने भी इस समूह के नए पावर सेंटर बनने पर नाराज़गी जताई और कहा कि इसने कोई ठोस नतीजे नहीं दिए। पहले हम पर आरोप था कि हमने लेफ्टिस्टों को पार्टी चलाने दी। लेकिन असल में 'जय जगत ग्रुप' ही असली पावर सेंटर बन गया है। क्या ये कोई नतीजे दे रहे हैं?'

'कुछ लोग इस आलोचना को खारिज करते हैं कि ये नेता पार्टी की हार के जिम्मेदार हैं। बिहार में अल्लावरू के एक प्रमुख सहयोगी ने कहा कि वे कांग्रेस और राहुल गांधी दोनों के वफादार हैं, इसलिए वे आगे आए हैं। वे युवा भी हैं और राहुल गांधी उनमें निवेश करना चाहते हैं। इसमें गलत कुछ नहीं है।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शाह-नड्डा ने हाथ पकड़कर नितिन नबीन को कुर्सी पर बैठाया

- बीजेपी मुख्यालय में नए कार्यकारी अध्यक्ष पर बरसाए गए फूल, जय श्रीराम के नारे लगे

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला। गृहमंत्री अमित शाह और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाथ पकड़कर उन्हें कुर्सी पर बिठाया। इससे पहले नितिन नबीन का पार्टी मुख्यालय में जोरदार स्वागत किया। उन पर फूल बरसाए गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। अमित शाह और जेपी नड्डा नितिन नबीन के स्वागत के लिए बीजेपी मुख्यालय में पहले से मौजूद थे। भाजपा नेताओं ने उन्हें बधाई दी। नितिन नबीन सोमवार सुबह इंडिगो की फ्लाइट से 8.25 बजे की फ्लाइट से दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उनकी फ्लाइट 4 घंटे लेट हो गई है। वो दोपहर 1 बजे दिल्ली पहुंचे। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद नितिन नबीन ने सोमवार को पटना के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद वो अपने पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था।

शरद की सुबह

पाँच करोड़ की कविताएँ

आज रात पांच कविताएं
उतरीं मुझ पर
एक–एक कविता ने बताया
कि वह एक करोड़ की है
बत्ती जलाकर सोचा कि कागज
पर उतार लूँ तत्काल
देर हुई तो स्मृति से चला न जाए
पाँच करोड़ का माल
लिखने बैठा तो अचानक आया
एक ख्याल
कि कहाँ–कहाँ खर्च करूँगा
पाँच करोड़
और दिमाग उलझ गया जोड़–घटाव में
हिसाब लगाते लगाते कविता
उतर गई दिमाग से
कागज भर गया है हिसाब–किताब
गुणा भाग से।

- अरुण आदित्य

मनरेगा स्कीम की जगह लेगा

'विकसित भारत-जी राम जी'

- मोदी सरकार नया बिल ला रही, प्रियंका बोलीं-महात्मा गांधी का नाम क्यों हटा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को खत्म कर नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने जा रही है। इसे मौजूदा शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए सूचीबद्ध भी किया गया है। बिल की कॉपी सोमवार को लोकसभा सांसदों के बीच सर्कुलेट की गई है। इसका नाम 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी- जी राम जी) बिल, 2025' रखा गया है। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा

तैयार करना है। काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। इधर कांग्रेस ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा।

सामाजिक-आर्थिक बदलावों को देखते हुए निर्णय

बिल में लिखे हुए उद्देश्य के मुताबिक, पिछले 20 वर्षों में मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों को रोजगार दिया, लेकिन गांवों में हुए सामाजिक–आर्थिक बदलावों को देखते हुए इसे और मजबूत करना जरूरी है। नए कानून के तहत हर ग्रामीण परिवार को, जो बिना कौशल वाला काम करने को तैयार हो, हर साल 125 दिन का वेतनयुक्त रोजगार मिलेगा। इसका मकसद विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप गांवों का समग्र विकास करना है। जब मनरेगा के नाम बदलने की जानकारी सामने आई थी, तब वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा था कि उन्हें मनरेगा योजना का नाम बदलने के फैसले के पीछे का तर्क समझ नहीं आता। इससे फिजूल खर्च होता है। मुझे समझ नहीं आता कि इसके पीछे क्या मानसिकता है।

कांग्रेस ने कहा था-मोदी सरकार ने हमारी 32 योजनाओं के नाम बदले

कांग्रेस की सुप्रिया श्रीनेत ने मनरेगा का नाम बदले जाने पर एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मनरेगा का नाम बदल कर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार स्कीम रखा है। इसी मनरेगा को मोदी कांग्रेस की विफलताओं का पुलिंदा बताते थे लेकिन असलियत यह है कि यही मनरेगा ग्रामीण भारत के लिए संजीवनी साबित हुआ। कांग्रेस की स्कीमों का नाम बदल कर उनको अपना बना लेने की मोदी जी की यह लत बड़ी पुरानी है यही तो किया है उन्होंने 11 साल, यूपीए की स्कीमों का नाम बदल अपना ठप्पा लगा कर पब्लिसिटी करना। सुप्रिया ने एक्स पर उन योजनाओं के नाम शेयर किए, जिन्हें कांग्रेस ने शुरू किया था। साथ ही दावा किया है कि इनके नाम बदले गए हैं।

बिहार बीजेपी के नए अध्यक्ष बने एमएलए संजय सारावगी

- मिथिलांचल में पैठ मजबूत करने पर पार्टी का जोर

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में कई बदलाव देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने दिग्गज नेता और विधायक संजय सारावगी को तत्काल प्रभाव से बिहार बीजेपी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के स्थान पर सारावगी की ताजपोशी को पार्टी की सोची-समझी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। संजय सारावगी का संबंध राज्य के मिथिलांचल क्षेत्र (दरभंगा) से है, जिसे बीजेपी ने आने वाले समय में अपने मुख्य फोकस में रखा है। इस बदलाव के पीछे पार्टी का मकसद जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय और मजबूत करना है, ताकि राज्य में अपनी स्थिति को अभेद्य बनाया जा सके। ये नियुक्ति कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने का काम करेगी। संजय सारावगी की नियुक्ति का सबसे साफ राजनीतिक संदेश ये है कि बीजेपी अब मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी सांगठनिक और चुनावी पैठ को चरम पर ले जाना चाहती है।

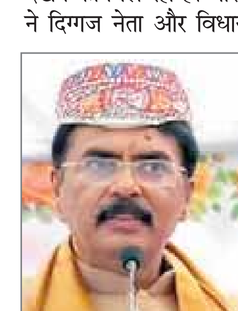

अनुग्रह सहायता योजना

आज मुख्यमंत्री करेंगे सिंगल क्लिक से 160 करोड़ रूपये का वितरण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 दिसम्बर 2025 को मंत्रालय, भोपाल में संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 7 हजार 227 प्रकरणों में राशि रुपये 160 करोड़ सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित करेंगे। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विभिन्न स्थानों पर माननीय मंत्री गण एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। इसी प्रकार स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 01 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना के अंतर्गत जहाँ एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रूपये दिये जाते हैं तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा में शिक्षा के लिए सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

भारत सरकार के नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबल योजना के अंतर्गत सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन प्रारम्भ किया गया है। इन्हें भी संबल योजना के अंतर्गत समस्त लाभ प्रदान किये जा रहे हैं। संबल हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी प्राप्त होती है जिससे वे केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता प्राप्त होती है वास्तविक अर्थों में यह श्रमिकों का संबल है। मध्यप्रदेश की यह योजना देश के सभी राज्यों के लिए अनुकरणीय है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के लाखों निर्माण श्रमिकों के लिये भी निर्माण मंडल के माध्यम से कई योजनायें संचालित की जाती है। इनमें निर्माण श्रमिकों की मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता तथा स्थायी एवं आंशिक अपंगता पर सहायता भी सम्मिलित है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामय योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है। अब वे भी 5 लाख रूपये वार्षिक निःशुल्क चिकित्सा प्राप्त कर रहे है।

प्रदेश में सीजन का पहला कोहरा...

मुरैना-रायसेन में विजिबिलिटी 50 मीटर, आज 14 जिलों में अलर्ट, अगले 3 दिन शीतलहर नहीं चलेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सोमवार की सुबह घने कोहरे के साथ शुरू हुई। रीवा में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे, जहां 50 मीटर के बाद कुछ भी नजर नहीं आया। मुरैना-रायसेन में भी विजिबिलिटी 50 मीटर रही। ऐसे में वाहन चालक हेडलाइट के सहारे आगे बढ़े। वहीं, भोपाल में विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर के बीच दर्ज की गई। कई स्थानों पर स्थिति यह रही कि सुबह 11 बजे तक भी 2 से ढाई किलोमीटर दूर तक साफ दिखाई नहीं दे रहा था। ठंड के इस सीजन में यह पहली सुबह रही, जब प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, कोहरे का सबसे ज्यादा असर रीवा में देखा गया। छतरपुर के खजुराहो में विजिबिलिटी 50 से 200 मीटर रही। वहीं भोपाल, ग्वालियर, दतिया और सीधी में दृश्यता 500 से 1 हजार मीटर के बीच दर्ज की गई।

इंदौर, नर्मदापुरम, सागर, रतलाम, दमोह और मंडला में 1 से 2 हजार मीटर तक विजिबिलिटी रही।

17 दिसंबर से फिर नया सिस्टम, ठंड बढ़ेगी

मौसम विभाग के अनुसार, नए नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) 17 दिसंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। जिसका असर एमपी में अगले दो–तीन दिन में दिखाई देने लगेगा। इससे ठंड का असर फिर से बढ़ जाएगा।

पचमढ़ी–कल्याणपुर सबसे ठंडे, भोपाल में 7 डिग्री पहुंचा पारा– मौसम विभाग के अनुसार, रविवार की रात में प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। 5 बड़े शहरों में इंदौर सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 6.4 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 7 डिग्री, जबलपुर में 9.4 डिग्री, ग्वालियर–उज्जैन में 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

वहीं, पचमढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा रहा और यहां तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़–कल्याणपुर में 5.6 डिग्री, शाजापुर में 6.1 डिग्री, मंदसौर में 6.7 डिग्री, रीवा–उमरिया में 7.2 डिग्री, मलाजखंड में 7.4 डिग्री, खजुराहो में 8.2 डिग्री, नौगांव में 8.3 डिग्री, रायसेन–दतिया में 8.4 डिग्री, मंडला में 8.5 डिग्री, बैतूल में 8.7 डिग्री, नरसिंहपुर, टीकमगढ़–दमोह में 9 डिग्री, खंडवा में 9.4 डिग्री और सतना में 9.6 डिग्री दर्ज किया गया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27 °c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समग्र औद्योगिक विकास की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

पी.एम. मित्र पार्क में 89 परिवारों के पुनर्वास का पहला चरण, 24 परिवारों को सौंपे पक्के घर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक परियोजनाओं को केवल निवेश के रूप में नहीं, बल्कि समाज के समग्र विकास से जोड़कर आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी सोच के साथ धार जिले के ग्राम भैंसोला में विकसित हो रहा देश का पहला पी.एम. मित्र पार्क में विस्थापित परिवारों के पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

पी.एम. मित्र पार्क की भूमि पर निवासरत कुल 89 परिवारों के पुनर्वास के लिए एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा समीप ही सुव्यवस्थित आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। इस पुनर्वास योजना के प्रथम चरण में 24 परिवारों को पक्के मकान बनाकर सौंपे गए और विधि-विधान के साथ उनका गृह प्रवेश कराया गया। शेष परिवारों को भी चरणबद्ध रूप से आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार औद्योगिक विकास करते हुए हर परिवार का ख्याल रखा जायेगा। इसी नीति के तहत पी.एम. मित्र पार्क के लिए प्रभावित परिवारों को केवल आवास ही नहीं बल्कि बेहतर जीवन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सात साल बाद जॉर्डन पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

एयरपोर्ट पर पीएम जाफर ने किया स्वागत,होटल में प्रवासी भारतीयों से मिले

अम्मान (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दो दिन के दौरे पर जॉर्डन पहुंच गए हैं। जॉर्डन के पीएम जाफर हसन ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। होटल पहुंचने पर प्रवासी भारतीयों ने मोदी का स्वागत किया। पीएम ने भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात भी की। इस दौरान कलाकारों ने मोदी के सामने कल्चरल परफॉर्मेंस दी। मोदी का यह दौरा किंग अब्दुल्ला के निमंत्रण पर हो रहा है। पीएम मोदी उनसे द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। यह यात्रा भारत और जॉर्डन के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने पर हो रही है। वे 7 साल बाद जॉर्डन पहुंचे हैं। इससे पहले वे 2018 में एक ट्रांजिट विजिट के दौरान जॉर्डन में रुके थे। पीएम मोदी के होटल पहुंचने पर प्रवासी भारतीयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात और बातचीत की। भारत और जॉर्डन ने 1950 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे, जिसके 2025 में 75 साल पूरे हो गए हैं। मोदी इसी मौके पर जॉर्डन पहुंचे हैं।

पहलगाम हमले पर एनआईए की 1300 पेज की चार्जशीट

- 2 आतंकी ऑपरेशन महादेव में मारे जा चुके, घाटी में 26 टूरिस्ट्स की हत्या हुई थी

जम्मू (एजेंसी)। नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेंसी ने जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले पर 1300 पेज की चार्जशीट दाखिल की। 22 जुलाई पहलगाम से 6 किमी दूर बायसरन घाटी में आतंकी हमले में 26 टूरिस्ट्स की मौत हुई थी। 16 लोग घायल हुए थे। लोगों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर

निशाना बनाया गया था। सूत्रों के मुताबिक जांच टीम ने हमले में शामिल आतंकियों के नाम भी उजागर किए हैं। इनमें एक पाकिस्तान में मौजूद साजिद जट्ट भी है, जो वहां ऑपरेशंस चीफ है। इसी ने पहलगाम अटैक की जिम्मेदारी अन्य 2 आतंकियों को सौंपी थी। जट्ट पहलगाम हमले का मुख्य हैंडलर भी माना जा रहा है। 28 जुलाई श्रीनगर के हरवान जंगल में सुरक्षाबलों ने 'ऑपरेशन महादेव' चलाया था। इसमें पहलगाम हमले के दोनों आतंकी मारे गए थे। उनमें मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल था। पहलगाम हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया था।

महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव का बजा बिगुल

- 15 जनवरी को होगी वोटिंग 16 को आ जाएंगे नतीजे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने मुंबई बीएमसी चुनावों का ऐलान कर दिया है। आयोग के अनुसार मुंबई में 15 जनवरी को वोट डाले जाएंगे, जबकि अगले दिन मतों की गिनती होगी। मुंबई में आखिरी बार चुनाव 2017 में हुए थे। मुंबई में निर्वाचित बॉडी का कार्यकाल 2022 में खत्म हो गया था। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग के अनुसार बीएमसी चुनावों के नतीजे 16 जनवरी को घोषित होंगे। सोमवार को राज्य चुनाव आयुक्त

दिनेश वाघमारे ने मालाबार हिल के सह्याद्री गेस्ट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। राज्य चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को होंगे और वोटों की गिनती अगले दिन होगी। घोषित चुनाव प्रक्रिया के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच 31 दिसंबर, 2025 को होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 2 जनवरी, 2026 तय की गई है। चुनाव चिन्हों का आवंटन और उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट 3 जनवरी, 2026 को जारी होगी। मुंबई बीएमसी चुनावों के साथ कुल 29 नगर निगमों में चुनाव होंगे। इनमें ठाणे, कल्याण डोंबिवली, मीरा भाईदर जैसे बड़े नगर निगम शामिल हैं। मुंबई को छोड़कर बाकी 28 नगर निगमों में मल्टी-मेंबर वार्ड होंगे सिर्फ मुंबई में ही 3.48 करोड़ वोटरों के लिए 10,111 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं।

भेड़ाघाट में सेल्फी लेते वक्त महिला नर्मदा में गिरी, मौत

पति और बेटी के सामने हुआ हादसा, शादी की सालगिरह मनाने गया था परिवार

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के पर्यटन स्थल न्यू भेड़ाघाट में मोबाइल से सेल्फी लेते वक्त एक महिला अपने पति और 10 साल की बेटी के सामने नर्मदा नदी में गिर गई। महिला की तलाश में घंटों तक गोताखोर जुटे रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार शाम को घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर स्वर्गद्वारी में महिला का शव बरामद हुआ। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतका की पहचान विजय नगर निवासी स्वाति गर्ग (36) के रूप में हुई है। बताया गया कि शनिवार को स्वाति की शादी की सालगिरह थी। इसे मनाने के लिए वह अपने पति, बेटी और सास के साथ न्यू भेड़ाघाट पहुंची थीं। इसी दौरान सेल्फी लेते समय उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गईं।

परिवार संग मनाने आई थीं शादी की सालगिरह- विजय नगर के रामेश्वरम कॉलोनी निवासी आशीष गर्ग ओएफके फैक्ट्री में जूनियर वर्क मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। शनिवार दोपहर फैक्ट्री से लौटने के बाद वह परिवार के साथ शादी की सालगिरह मनाने निकले थे। त्रिपुरी माता के दर्शन करने के बाद आशीष अपनी पत्नी स्वाति, 10 वर्षीय बेटी

आद्रिका और मां के साथ न्यू भेड़ाघाट पहुंचे।

शाम के समय स्वाति मोबाइल से सेल्फी ले रही थीं, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वह नर्मदा नदी में गिर गईं। पति और बेटी ने शोर मचाया तो मौके पर मौजूद गोताखोरों ने तुरंत नदी में छलांग लगाई, लेकिन तेज बहाव के कारण स्वाति का पता नहीं चल सका।

स्वर्गद्वारी में मिला शव- शनिवार शाम तक जब स्वाति नहीं मिली, तो आशीष ने तिलवारा थाना पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। रविवार को दोबारा तलाश शुरू की गई। शाम को घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर स्वर्गद्वारी क्षेत्र में स्वाति का शव मिला।

पूछताछ में आशीष ने बताया कि हादसे से कुछ देर पहले ही स्वाति ने मोबाइल से फोटो ली थी, जिसे उन्होंने पुलिस को दिखाया। स्वाति की मौत के बाद से 10 वर्षीय बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पति सदमे में है।

ग्वालियर में चलती कार से लटके युवक-युवती

- सड़क पर किया स्टंट...वीडियो आया सामने, पुलिस ने कहा- कार्रवाई करेंगे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर शहर में चलती कार से युवक-युवती के स्टंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो ग्वालियर के व्यस्त कटोरा ताल रोड का बताया जा रहा है। इसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक युवक चलती कार का गेट खोलकर बाहर की ओर लटका हुआ है। इतना ही नहीं, कार में मौजूद एक युवती भी गेट से बाहर निकलकर लटकने का प्रयास करती नजर आ रही है।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो पीछे चल रही एक अन्य कार में सवार व्यक्ति ने अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड किया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की जांच की जा रही है और कार की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वीडियो के आधार पर वाहन नंबर, समय और स्थान की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जैसे ही वाहन और संबंधित लोगों की पहचान होगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि इस तरह के खतरनाक स्टंट न करें और न ही दूसरों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' नारे को लेकर संसद में हंगामा

- जेपी नड्डा और रिजीजू बोले-राहुल-सोनिया माफी मांगें

प्रियंका बोलीं- रैली में किसने क्या कहा, हमें नहीं मालूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वां दिन, सोमवार को दोनों सदनों में भाजपा सांसदों ने कांग्रेस की रैली में पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- पीएम के खिलाफ ऐसी बातें करना, उनकी मौत की कामना करना शर्मनाक है। नड्डा ने कहा- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है कि 140 करोड़ भारतीयों और विश्व के सबसे प्रसिद्ध नेता को इस तरह के नारों का सामना करना पड़ रहा है। पीएम के खिलाफ नारेबाजी और माफी की मांग लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। दोनों सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई थी, लेकिन शोर-शराबे के कारण 10 मिनट भी चर्चा नहीं हो पाई और कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही 12 बजे फिर शुरू हुई। हालांकि फिर हंगामा होने लगा।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े डॉ. रामविलास वेदांती का निधन

- तबीयत बिगड़ी तो एयरएंबुलेंस रीवा पहुंची

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर आंदोलन के संत और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने मध्यप्रदेश के रीवा में दोपहर 12.20 बजे अंतिम सांस ली। वे 67 साल के थे। वेदांती की रीवा में रामकथा चल रही थी। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। दो दिन से उनका इलाज रीवा के एक हॉस्पिटल में चल रहा था। सोमवार सुबह तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें एयरलिफ्ट करके भोपाल एम्स ले जाने की तैयारी थी।

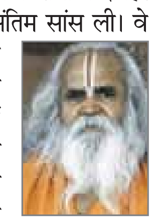

दिल्ली की हवा फिर जानलेवा 50 मीटर तक नहीं दिख रहा

धुंध-कोहरे के कारण 60 फ्लाइट रद्द,250 प्लाइट डिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर कम हुआ तो दिल्ली में हवा थम गई। इसके चलते राजधानी रविवार को ठंड, स्मॉग और प्रदूषण के ट्रिपल अटैक की चपेट में आ गई। ग्रैप-4 लागू होने के बावजूद वजीरपुर और रोहिणी इलाकों में एक्यूआई 500 के लेवल तक पहुंच गया।

प्रदूषक कण वातावरण में फंसे रहे और राजधानी गैस चेंबर बन गई। रविवार को इस साल का सबसे घना कोहरा भी छाया। अक्षरधाम समेत कई इलाकों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक सिमट गई। धुंध-कोहरे के कारण 60 फ्लाइट रद्द कर दी गई, जबकि 250 देरी से चल रही हैं। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सावधानी बरतने कहा है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से हवा की रफ्तार बढ़ने पर मामूली राहत मिल सकती है।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने वकीलों और पक्षकारों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाइब्रिड मोड के जरिए पेश होने की सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़ी याचिका पर 17 दिसंबर को सुनवाई करेगा। सीएक्यूएम ने शनिवार को पहले ग्रैप-3 और फिर ग्रैप-4 लागू किया, लेकिन हालात नहीं सुधरे। ग्रैप-4 में 50 फीसदी कर्मचारियों का वर्क फ्रॉम होम रहेगा। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर भारी कोहराम मचा है।

कोहरे का कहर, एक या दो नहीं सीधे टकराई 25 गाड़ियां

- 4 लोगों की मौके पर ही मौत, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में इस समय ठंड के साथ घने कोहरे का रेड अलर्ट देखने को मिल रहा है। घने कोहरे की वजह से रफ्तार पर ब्रेक लग चुका है और लोगों को देखने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी घने कोहरे के बीच दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां एक या दो नहीं, बल्कि 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि करीब 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे पहले दो ओवरलोड डंपरों के बीच टक्कर हुई थी। इनके पीछे अमरूद से लदा एक ट्रक चल रहा था, जो इन वाहनों से जा टकराया। टक्कर के बाद सड़क पर अमरूद बिखर गए, जिससे फिसलन पैदा हो गई।

सीजेआई बोले- भगवान को भी चैन से सोने नहीं देते

- बांके बिहारी के दर्शन की टाइमिंग बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

मथुरा (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंदिरों में पैसे लेकर अमीर लोगों को 'स्पेशल पूजा' कराने की प्रथा पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा- इससे भगवान के आराम के समय में भी बाधा पहुंचती है। यह टिप्पणी मथुरा के वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की गई। बांके बिहारी मंदिर में दर्शन का समय हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी ने बढ़ा दिया है। 12 सितंबर को हुई मीटिंग में प्रतिदिन 2.30 घंटे समय बढ़ाने का निर्णय लिया था। इसके खिलाफ मंदिर के गोस्वामियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने याचिका की सुनवाई के दौरान कहा- दर्शन के वक्त को नहीं बदला जा सकता। इसके चलते मंदिर से जुड़े विधि विधान का भी वक्त बदलता है। भगवान के आराम का अपना वक्त होता है। इसमें दखल नहीं दिया जा सकता। सीजेआई ने कहा- भगवान के आराम के वक्त में उन्हें आराम कहां करने दिया जाता है। उस वक्त जब आम श्रद्धालु दर्शन नहीं कर सकते, प्रभावशाली लोग बड़ी रकम देकर पूजा कर पाते है। उन्हें पूजा करने की इजाजत होती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली भी शामिल थे। खंडपीठ ने बांके बिहारी मंदिर की दर्शन समय-सीमा में बदलाव और कुछ पारंपरिक धार्मिक प्रथाओं, खासकर देहरी पूजा को रोके जाने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

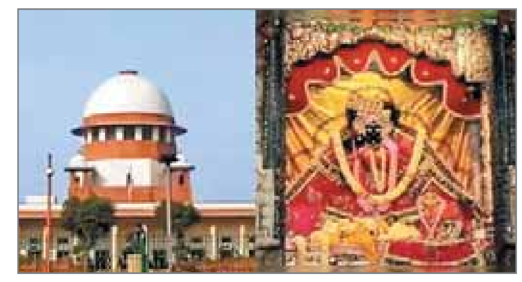

एक्टर विजय को ईरोड में जनसभा करने की मिली परमीशन

84 शर्तें माननी होंगी,सितंबर में करूर रैली में भगदड़ से 41 लोग मारे गए थे

ईरोड (एजेंसी)। पुलिस ने रविवार को टीवीके प्रमुख विजय की 18 दिसंबर को होने वाली इरोड जनसभा के लिए इजाजत दे दी है लेकिन इसके लिए 84 शर्तें लगाई हैं। पार्टी के मुख्य कोऑर्डिनेटर के सेंगोट्टियन ने पुलिस और राजस्व विभाग में याचिका दायर कर विजयामंगलम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच विजय की मीटिंग करने की इजाजत मांगी थी। पुलिस ने आयोजकों से 84 मांगें पूरी करने को कहा। टीवीके प्रतिनिधियों के मंदिर अधिकारियों से मिलने के बाद, उन्होंने अपनी 16 एकड़ जमीन पर जनसभा के जरूरी एनओसी पुलिस को भेज दी। इससे पहले 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत और 60 से ज्यादा घायल हुए थे।

पतंग लूटते नाबालिग हाईटेंशन लाइन की चपेट में

इंदौर। प्रतिबंधित चाइनीज मांझा खरीदी बिक्री पर पुलिस जीरो टॉलरेंस की तरह काम कर रही है। ड्रोन कैमरे की मदद से पतंग उड़ाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। इसी बीच, छत्रीपुरा इलाके में रविवार सुबह पतंग लूटते समय आठ वर्षीय नाबालिग हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने बच्चे को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि अस्पताल में स्टाफ की कमी के कारण स्थानीय लोगों ने ही बच्चे को स्ट्रेचर पर उठाकर एम्बुलेंस तक पहुंचाया। हादसे में बच्चा 50 प्रतिशत झुलस चुका है। पुलिस के अनुसार, घटना लकड़ी मंडी क्षेत्र की है। उधर, 13 नवंबर की रात एमजी रोड थाना पुलिस ने इलाके में छापेमारी करते हुए दो दुकानों और गोदाम को सील किया। कार्रवाई के दौरान कुल आठ दुकानों की जांच की गई।

पहचान छिपाकर किया दुष्कर्म, केस दर्ज

इंदौर। पेट्रोल पंप पर काम करने वाली युवती से पहचान छिपाकर वर्ग विशेष के युवक ने दुष्कर्म किया। जब युवती ने विरोध किया तो मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। लसूड़िया पुलिस ने पीड़िता ने बताया कि वह अपनी मां और भाई के साथ रहती है। निपानिया इलाके के पेट्रोल पंप पर नौकरी करती है। एक साल पहले उसकी पहचान आरोपी युवक से हुई थी, जिससे वह फोन पर बात करती थी। 7 दिसंबर को युवक उसे स्टार चौराहे पर मिला और मामा-भानजे की दरगाह ले गया। वहां युवक ने अपना असली नाम अनस बताया और निकाह का प्रस्ताव रखा। पीड़िता ने आपत्ति जताते हुए उससे बातचीत खत्म कर दी और घर लौट आई। 12 दिसंबर की रात 10.30 बजे युवक ने उसे स्टार चौराहे पर बातचीत के बहाने बुलाया। वहां से उसे स्कीम नंबर 78 स्थित कमरे में ले गया। वहां धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। पीड़िता द्वारा मना करने और घर छोड़ने को कहने पर युवक ने उसके साथ गलत तरीके से छेड़छाड़ शुरू कर दी और शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि विरोध करने और शोर मचाने पर युवक ने धमकी दी कि यदि उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो वह उसे जान से खत्म कर देगा।

मजदूर से 3 लाख की ब्राउन शुगर मिली

इंदौर। मादक पदार्थों की तस्करी और उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ क्राइम ब्रांच लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच की टीम ने बदमाश को पकड़ा। उसके पास से 36.39 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है, जिसकी कीमत 3 लाख 70 हजार रुपए है। टीम उससे पूछताछ कर और भी जानकारी निकाल रही है। पुलिस मुखबीर की सूचना पर संजय सेतु पार्किंग पहुंची। वहां से देवीलाल मीणा निवासी प्रतापगढ़ को पकड़ा। उसके पास से 36.39 ग्राम ब्राउन शुगर और बाइक मिली। आरोपी देवीलाल मीणा 8वीं पास होकर दिहाड़ी वेतन पर मजदूरी करता है। ज्यादा लाभ कमाने के लिए वह सस्ते दाम में अवैध मादक पदार्थ लाकर शहर में नशा करने वालों को महंगे दामों में बेचता था, ताकि वह ज्यादा पैसा कमा सके।

बदमाशों ने दुकान पर पेट्रोल की बोतल फेंकी

इंदौर। विवाद के चलते बदमाशों ने पान दुकानदार पर हमला करने की नीयत से पेट्रोल से भरी बोतल फेंकी, जिससे दुकानदार तो बच गया, लेकिन दुकान में आग लग गई। मामले में कनाड़िया पुलिस ने आरोपी करण यादव और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। दीपक ने बताया कि शनिवार को आरोपी दुकान पर आया और बाहर निकलने के लिए दबाव बनाने लगा। जब मैंने मना किया तो मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी ने पेट्रोल भरी बोतल फेंकी और साथी ने आग लगा हुआ डंडा फेंक दिया। दीपक ने पीछे की तरफ भागकर अपनी जान बचाई। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस के मुताबिक करण यादव पहले नजदीकी शराब के अहाते में काम करता था और एक-डेढ़ महीने पहले भी बिना पैसे दिए सामान लेने के मामले में उसने मारपीट की थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लड़की से सौतेले पिता ने छेड़छाड़ की

इंदौर। निजी कंपनी में काम करने वाली युवती से उसके सौतेले पिता विश्वपाल ने छेड़छाड़ की। बाणगंगा पुलिस को युवती ने बताया कि शाम को वह अपनी सहेली के घर से लौटकर घर आई थी। नहाने के बाद वह कमरे में कपड़े बदल रही थी, तभी उसके सौतेले पिता पलंग के पीछे छिपकर उसे देख रहे थे। युवती ने ध्यान दिलाया और चिल्लाई तो विश्वपाल ने उसे धक्का देकर अपनी तरफ खींचने की कोशिश की। इस दौरान युवती की मां भी किचन की तरफ से दौड़ती हुई कमरे में पहुंचीं, लेकिन विश्वपाल ने उन पर भी मारपीट की और बेटी को भी पीटा। पीड़िता ने तुरंत 112 कॉल कर पुलिस को बुलाया। उसकी मां का 15 साल पहले तलाक हुआ था और उसके बाद उन्होंने विश्वपाल से दूसरी शादी की। पिछले 2-3 साल से विश्वपाल अक्सर पीड़िता के साथ मारपीट कर रहे थे और उसके पीछे चलते थे। पीड़िता ने कहा कि मां के कारण अब तक सब कुछ सहन किया, लेकिन शनिवार की सुबह वह परेशान होकर अपनी सहेली के घर चली गई थी और शाम को लौटने पर घटना हुई।

टक्कर मारकर युवक को घायल किया

इंदौर। तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसा न्यू पलासिया क्षेत्र में धोबी घाट तिराहा के पास शनिवार को हुआ। घायल कृष्णा के पिता भगवान निवासी न्यू पलासिया की रिपोर्ट पर तुकोगंज पुलिस ने कार क्रमांक एमपी 09 जेडबी 2057 के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

नवविवाहिता की मौत, मामला दर्ज

इंदौर। दहेज की मांग को लेकर ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से परेशान नवविवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सांवेर पुलिस के मुताबिक, मृतिका अंजली कुमावत निवासी केसरीपुरा को शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर परेशान किया जा रहा था। आरोप है कि मृतिका के पति मुदित राय, ससुर प्रीतम और सास प्रमिला प्रताड़ित कर रहे थे। प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर अंजली ने 29 अक्टूबर की रात करीब 10.45 बजे जहरीला पदार्थ खा लिया था। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पति, ससुर और सास पर केस दर्ज किया है।

युवक ने फांसी लगाई- अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक का नाम देवेंद्र पिता रामदेव (31) निवासी टेलीफोन नगर है। वह लोडिंग रिक्शा चालक था। बताया जा रहा है कि देवेंद्र की शादी नहीं हुई थी परिजन उसके रिश्ते के लिए लड़की की तलाश कर रहे थे। तिलक नगर पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

प्रभात फेरी में युवक की चेन चुराई

इंदौर। रणजीत हनुमान मंदिर से निकली प्रभातफेरी में भीड़ में फंसे युवक की चेन अज्ञात बदमाशों ने निकाल ली। फरियादी निर्मल पिता विनोद गुजराती, निवासी शांतिनाथ पुरी हवाबंगला ने बताया कि वह मंदिर के सामने पार्किंग क्षेत्र में खड़ा था। इसी दौरान वारदात हो गई। चोरी गई चेन में एक पेंडल लगा था, जिस पर 'ॐ' अंकित था। फरियादी को घटना का अहसास कुछ देर बाद हुआ, जिसके बाद उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन बदमाश तब तक फरार हो चुका था। अन्नपूर्णा पुलिस अब इस मामले में घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

मेट्रो का मार्ग आगे बढ़ा, टीसीएस से रोबोट तक के 11 किमी कमर्शियल रन की तैयारी

प्रोजेक्ट समय-सीमा से 2 साल पीछे, इस पूरे रूट पर 16 स्टेशन प्रस्तावित

इंदौर। टीसीएस चौराहा से रोबोट चौराहा तक 11 किमी में मेट्रो के कमर्शियल रन की दिशा में एक और कदम बढ़ गया। 11 किमी लंबे इस रूट पर मेट्रो संचालन के लिए रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम निरीक्षण कर इंदौर से लौट गई। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस सेक्शन पर मेट्रो को आम यात्रियों के लिए चलाने की नई डेडलाइन मार्च 2026 तय की है। शुरुआती रन गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक 6.5 किमी में मेट्रो ट्रेन के कमर्शियल रन के बाद अब इसे रोबोट चौराहा तक बढाकर 17.5 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जा रहा है। इस पूरे रूट पर 16 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इसमें गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक 6.5 किमी में मई 2025 में कमर्शियल रन शुरू किया गया है। इस सेक्शन पर सितंबर 2023 में ट्रायल रन किया गया था। अब शेष 11 किमी के रूट पर मेट्रो चलाने की तैयारी अंतिम चरण में बताई जा रही है। हालांकि यह पूरा प्रोजेक्ट तय समय-सीमा से 2 साल पीछे चल रहा है। देरी के चलते कई बार कमर्शियल रन की संभावित तारीखें बदली गईं।

सिस्टम व तकनीकी निरीक्षण

रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम तीन दिन तक इंदौर में रही और ट्रैक, सिस्टम व अन्य तकनीकी पहलुओं का निरीक्षण किया। इस प्रक्रिया के बाद अब अगला चरण कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) की मंजूरी का है। सीएमआरएस की टीम सुरक्षा मानकों की जांच करेगी। मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक स्टेशनों से जुड़ा शेष काम एक महीने में पूरा करने का दावा किया जा रहा है, ताकि फरवरी में सीएमआरएस को निरीक्षण के लिए बुलाया जा सके।

डेढ़ माह में मिलेगी एनओसी

सीएमआरएस से एनओसी मिलने में आम तौर पर एक से डेढ़ महीने का समय लग सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए माना जा रहा है कि मार्च 2026 तक मेट्रो का संचालन आम जनता के लिए शुरू हो सकता है। फिलहाल कई स्टेशनों पर सिविल वर्क अधूरा है। इसके बाद फिनिशिंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, टिकट काउंटर और अन्य यात्री सुविधाओं का काम किया जाना है।

मणप्पुरम फाइनेंस बैंक में चोरी का प्रयास, गेट का ताला तोड़कर घुसे

ऑफिस कंपाउंड तक पहुंचे बदमाश, कुछ चुरा नहीं सके

इंदौर। विजयनगर में बदमाशों ने मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड बैंक में अज्ञात चोरों ने वारदात करने की कोशिश की। बदमाश चैनल गेट तोड़कर आफिस के कंपाउंड में घुसे थे, लेकिन बगैर कुछ लिए वे वापस चले गए। बैंक अधिकारियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद शनिवार को फरियादी विशाल इटावदिया निवासी अटल द्वार एमआईजी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। विशाल ने बताया वह सिक्का स्कूल के पास स्थित मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड बैंक में कार्यरत है।

यहां दो दिन पहले रात में गोल्ड लोन बैंक के बाहरी गेट का ताला तोड़कर कार्यालय परिसर में घुसे थे। वहीं द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के गुमाश्ता नगर निवासी मुकेश सारडा के यहां भी बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर गेट का नकूचा तोड़कर नकद रुपए और अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार का कांच तोड़कर बैग चुराया

बाणगंगा क्षेत्र में एक रिसॉर्ट में रुके चार्टर्ड अकाउंटेंट की कार का कांच तोड़कर बदमाश बैग चुरा ले गए। पुलिस के अनुसार, अशोक जेथलिया ने बताया कि वह सीए हैं और परिवार के साथ उज्जैन शादी में गए थे। वहां से शुक्रवार रात लौटते समय वे ग्राम बरदरी स्थित बर्डे विस्टा रिसॉर्ट में रुके थे। शनिवार सुबह पार्किंग में कार के पास पहुंचे तो कांच टूटा मिला। कार से लैपटॉप बैग, चांदी के बर्तन, बैग में रखी नकदी और कपड़े गायब थे। घटना की जानकारी रिसॉर्ट स्टाफ को दी गई, इसके बाद शनिवार को थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई गई। सभी मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नकाबपोश बदमाशों ने फायर किया, एटीएम कार्ड से बचा

इंदौर। विवाद के चलते नकाबपोश बदमाशों ने हत्या करने की नीयत से युवक पर पिस्टल से फायर किया। युवक के जेब में रखा मोबाइल और एटीएम कार्ड को चीरते हुए पैर में जा लगी, जिससे उसे मामूली चोट आई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए, जबकि पुलिस ने शनिवार देर रात करीब 2 बजे एफआईआर दर्ज की। राऊ पुलिस के अनुसार यह घटना भूतनाथ मंदिर की पार्किंग में पर हुई।

यहां रंगवासा निवासी विनय पाटीदार पर दो बदमाशों ने अचानक फायर कर दिया। आरोपी ब्लैक रंग की स्कूटर पर सवार होकर मौके पर पहुंचे थे। फरियादी विनय ने पुलिस को बताया कि फायरिंग के दौरान गोली सीधे उनकी पेंट की जेब में जा लगी। जेब में रखा मोबाइल और उसका कवर बुलेट से फट गया, जबकि पीछे रखा एटीएम कार्ड भी चीर गया। इसके बाद गोली पैर तक पहुंची, जिससे उन्हें हल्की चोट आई। विनय के मुताबिक उन्हें पहले हल्की गर्माहट महसूस हुई, फिर जब मोबाइल निकाला तो वह पूरी तरह टूट चुका था। घटना के बाद विनय ने आसपास मौजूद लोगों को जानकारी दी और फिर थाने पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी में स्कूटर पर सवार दो नकाबपोश बदमाश भागते हुए दिखाई दिए हैं।

पार्किंग में विवाद पहले भी हुआ

विनय ने बताया कि घटना से एक दिन पहले शुक्रवार को पार्किंग को लेकर उसका किसी युवक से विवाद हुआ था। उसी दौरान आरोपी ने उसकी फोटो भी खींच ली थी। विनय का कहना है कि इसके अलावा उसका किसी से कोई झगड़ा नहीं था और न ही उसे पहले कोई धमकी मिली थी। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हाई-वे पर खड़े दो आयशर वाहन धू-धू कर जले, लाखों का नुकसान

मानपुर थाना से चंद कदमों पर घटना, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर। मानपुर थाने से महज 50 मीटर की दूरी पर हाईवे स्थित महाकाल रेस्टोरेंट के सामने उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खड़े एक आयशर वाहन में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि गुजरात से पावडर भरकर पीथमपुर जा रहा आयशर सड़क किनारे रुका था। चालक राजेंद्र चाय पीने रेस्टोरेंट में गया था, इसी दौरान आयशर में आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि उसके पीछे खड़ी एक अन्य आयशर को भी अपनी चपेट में ले लिया। दूसरा चालक कुछ समझ पाता और वाहन हटाता, इससे पहले ही उसकी आयशर भी धू-धू कर जलने लगी। देखते ही देखते हाईवे पर आग और धुएं के गुबार दूर तक नजर आने लगे, जिससे राहगीरों और आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। ड्राइवर राकेश ने बताया कि वह मुंबई के भिवंडी इलाके से इंदौर केमिकल के डिब्बे ले जा रहा था। मानपुर में चाय पीने के लिए रुका। थोड़ी देर बाद ढाबे का एक कर्मचारी आया। उसने बताया कि बाहर एक ट्रक में आग लग गई है। मौके पर जाकर देखा तो आग ने विकराल रूप ले लिया था। कल ही माल भर कर निकला था। मानपुर थाना प्रभारी लोकेंद्र हीहोर के मुताबिक, पीछा खड़ा एक ट्रक भी आग की चपेट में आ गया।

पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। देखते ही देखते दोनों वाहन आग का गोला बन गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, तभी मौके पर पहुंची मानपुर और महू की फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। लेकिन, तब तक दोनों आयशर पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने बताया कि आग में दोनों वाहनों की नंबर प्लेट जल गई हैं। आग लगने के कारणों और वाहनों में भरे सामान की जांच की जा रही है।

दो दिन बाद सर्दी का बड़ा कहर होगा, पश्चिमी विक्षोभ से कांप उठेगा प्रदेश

अभी सर्द हवाओं से राहत, फिर कांपेगा प्रदेश, कई जिले प्रभावित

इंदौर। सर्दी के सितम से मध्य प्रदेश कंपकपा रहा है। तापमान में 17 दिसंबर से और ज्यादा गिरावट आएगी। 18 दिसंबर से तापमान और ज्यादा नीचे गिरेगा। प्रदेश में इन दिनों 21 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंचा है। बरसों बाद यह पहला मौका है, जब दिसंबर माह में न्यूनतम पारा 10 डिग्री से कम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक कड़ाके की सर्दी से अभी राहत मिलने की उम्मीद नहीं। 18 दिसंबर के बाद रात के तापमान के साथ दिन के तापमान में भी गिरावट आने के आसार है। सर्दियों का पहला बड़ा सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 17 दिसंबर को हिमालयी राज्यों में प्रवेश कर सकता है। इस वजह से पहाड़ी राज्यों में हिमाचल, लद्दाख, कश्मीर में अच्छी बर्फवारी होगी। इसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखाई देगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, अभी पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान एवं निकटवर्ती क्षेत्र में मध्य समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर टिका है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है। इस वजह से बादल, बारिश और बर्फबारी की संभावनाएं बनती दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अभी सर्दीली हवाएं थोड़ी कमजोर हुई हैं और अगले तीन दिनों तक प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में शीतलहर की संभावना नहीं है। पाकिस्तानी हवा का झोंका मध्य प्रदेश में कहर बरपाएगा। 17 दिसंबर से कोल्ड वेव का अगला दौर शुरू हो रहा है। मध्य प्रदेश में ठंड का थर्ड डिग्री टॉर्चर शुरू होगा, जिसका असर 3 दिन ज्यादा दिखाई देगा। मौसम विभाग के मुताबिक, दो पश्चिमी विक्षोभ की वजह से 17 दिसंबर से पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना दिखाई दे रही है। बर्फीली हवाएं इसके बाद मध्य प्रदेश पहुंचेगी। इससे प्रदेश में कड़ाके की सर्दी का एक और दौर शुरू होगा। रात के तापमान के साथ दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी।

तापमान 10 डिग्री से नीचे

प्रदेश के 21 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। पचमढ़ी के बाद राजगढ़ में सबसे कम तापमान 5.6 रिकॉर्ड किया गया। जबकि, पचमढ़ी का तापमान 5.2 डिग्री रहा। राजधानी भोपाल का न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। पिछले दिनों के मुकाबले न्यूनतम तापमान में थोड़ी राहत मिली। ग्वालियर में 9.8 डिग्री, इंदौर में 6.4 डिग्री, रायसेन में 8.4 डिग्री, उज्जैन में 9.8 डिग्री, दमोह में 9 डिग्री, जबलपुर में 9.4 डिग्री, खजुराहो में 8.2, मंडला में 8.5, नरसिंहपुर में 9 डिग्री, रीवा में 7.3 डिग्री, सतना में 9.6, टीकमगढ़ में 9 डिग्री, उमरिया में 7.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

बदमाश को पकड़ने पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल को राहगीरों ने घेरा

अफरातफरी में बदमाश मौके से भागकर फरार हुआ

इंदौर। सदर बाजार इलाके में गुरुवार रात बदमाश की चेकिंग के दौरान हंगामा हो गया। 24 आपराधिक मामलों में शामिल हिस्ट्रीशीटर बदमाश शाकाल को चेक करने पहुंचे हेड कांस्टेबल को वहां मौजूद 10 से ज्यादा लोगों ने घेर लिया। इसी अफरा-तफरी के बीच आरोपी पुलिसकर्मी को धक्का देकर मौके से भाग निकला। घटना सदर बाजार कब्रिस्तान के पास देर रात की है। बताया जा रहा है कि शाकाल देर रात वहां आग ताप रहा था। उसी दौरान सदर बाजार थाने के हेड कांस्टेबल धीरेन्द्र राठौर अपने साथियों के साथ गश्त पर निकले थे। शाकाल को देखकर उन्होंने उसकी चेकिंग शुरू की, जिस पर वह नाराज हो गया और विरोध करने लगा। उसने अपने साथियों से पुलिसकर्मी का वीडियो भी बनवाया।

करणी सेना का सुपर कॉरिडोर पर तीन घंटे प्रदर्शन, ट्रैफिक प्रभावित

रैली को जबरन रोकने का आरोप, नाराज कार्यकर्ता वहां बैठे

इंदौर। शहर में रविवार को करणी सेना ने सुपर कॉरिडोर पर तीन घंटे तक जोरदार प्रदर्शन किया। टीसीएस चौराहे के पास पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने धरना देकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के कारण सुपर कॉरिडोर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही, पुलिस को ट्रैफिक सर्विस रोड की ओर डायवर्ट करना पड़ा। करणी सेना 21 दिसंबर को हरदा में प्रस्तावित जन क्रांति न्याय आंदोलन यात्रा की तैयारियों के तहत इंदौर में रैली निकाल रही थी। रविवार को संगठन टीसीएस चौराहे से विजय नगर तक रैली लेकर जाने वाला था। इसी दौरान पुलिस ने रैली को आगे बढ़ने से रोक दिया। करणी सेना प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के चलते उनकी रैली को जानबूझकर रोका गया। उनका कहना है कि पहले आधे घंटे के लिए रुकने को कहा गया, लेकिन बाद में लगातार रोके रखा गया, जिससे नाराज होकर कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए। करणी सेना ने दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक सुपर कॉरिडोर पर धरना दिया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने नारेबाजी की और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। धरने के चलते मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। पुलिस ने ट्रैफिक को सर्विस रोड से निकाला, लेकिन वहां भी दोपहिया वाहन खड़े होने के कारण गाड़ियां धीमी गति से चलती रहीं। बाद में स्थिति सामान्य करने के लिए वाहनों को धीरे-धीरे मुख्य सड़क से भी निकाला गया।

प्रोटोकाल के चलते अनुमति नहीं

वहीं, पुलिस प्रशासन ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि रैली को नियत समय से पहले निकालने की कोशिश की जा रही थी। चूंकि, सीएम इंदौर में थे। सीएम के प्रोटोकॉल के चलते पुलिस ने नियत समय 12 से दोपहर 3 बजे तक अनुमति नहीं दी। करणी सेना वाले इसी समय की अनुमति पर अड़े थे, जब पुलिस ने मना किया तो वे प्रदर्शन करने लगे। धरने के दौरान जीवन सिंह शेरपुर ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में आंदोलन के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि जब भी घर से निकलें तो कंबल और दस लोगों का खाना साथ लेकर आएं, ताकि लंबे आंदोलन की स्थिति में कोई परेशानी न हो। तीन घंटे बाद शेरपुर ने अपने भाषण में प्रदर्शन समाप्त होने की जानकारी दी। इसके बाद धीरे-धीरे कार्यकर्ता और पदाधिकारी वहां से लौटने लगे। पुलिस के अनुसार, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और किसी भी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद ट्रैफिक व्यवस्था भी सामान्य हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त, हीरानगर रुबीना मिजवानी ने कहा कि प्रोटोकॉल का पालन कराने नियत समय पर अनुमति नहीं दी थी। कार्यकर्ता इसे मानने को तैयार नहीं थे। तीन घंटे तक कार्यकर्ता सड़क पर बैठे रहे। बाद में वे सुपर कारीडोर से हट गए। पुलिस ने 3 बजे से रैली निकालने की अनुमति दी थी।

संपादकीय

यहूदी कहीं भी सुरक्षित नहीं !

अमूमन आतंकवाद से बहुत कम प्रभावित ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रविवार को हुए आंतकी हमले में 16 यहूदियों की मौत इसलिए चौंकाने वाली है, क्योंकि फिलिस्तीनियों के मामले में ऑस्ट्रेलियाई सरकार का रवैया सहानुभूतिपूर्ण और सकारात्मक रहा है। इसके बावजूद भी आंतकी बाप-बेटे ने यहूदी त्यौहार हनुक्का मना रहे लोगों की निर्मम हत्याएं की हैं तो उसका उद्देश्य केवल दहशत फैलाना ही है। इस घटनाक्रम ने ऑस्ट्रेलिया को भी स्तब्ध कर दिया है तथा भारत सहित दुनिया के सभी देशों ने इस सुनियोजित हत्याकांड की कड़ी निंदा की है। भारत में भी यहूदियों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हत्याकांड के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। उधर ऑस्ट्रेलियाई पुलिस को हत्यारे बाप-बेटे के पाकिस्तानी मूल का होने का शक है। इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह है कि हत्यारों को रोकने के लिए जिस व्यक्ति ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनसे हथियार छीने वह भी मुसलमान है और उसकी सभी ने तारीफ की है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के बॉन्डी बीच पर हुए इस आतंकी हमले में मरने वालों में एक 10 साल की बच्ची और एक इजराइली नागरिक भी शामिल है। इसके अलावा 45 लोग घायल हैं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 50 साल के पिता साजिद अकरम को मौके पर ही गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि 24 साल का बेटा नवीद अकरम अस्पताल में गंभीर हालत में है। दूसरी तरफ इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार की नीतियों को हमले के लिए जिम्मेदार बताया है। नेतन्याहू के मुताबिक सरकार की नीतियों ने आग में घी डालने का काम किया। पुलिस के अनुसार हमलावर साजिद अकरम के पास लाइसेंसी बंदूक थी, जिसका इस्तेमाल वह शिकार के लिए करता था। वह एक गन क्लब का सदस्य था और राज्य के कानून के तहत उसके पास लाइसेंस था। उसके पास कानूनी रूप से 6 बंदूकें थी। गोलीबारी के लिए निकलने से पहले बाप-बेटे ने अपने परिवार को कहा था कि वह मछलियां पकड़ने जा रहे हैं। अकरम अपने परिवार के साथ एक किराए के घर में रहता था। इस घटनाक्रम से नाराज इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने पहले ही ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को चेताया था कि सरकार की नीतियां देश में यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दे रही हैं। लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया, जिसका नतीजा यह भयानक हमला हुआ। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में यहूदी-विरोधी (एंटीसेमेटिज्म) भावना बढ़ाने का परिणाम है। सिडनी की घटना ने यह साफ संदेश दिया है कि आज दुनिया में यहूदी कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं और उनके खिलाफ नफरत से भले मुसलमान उन्हें कहीं भी, कभी भी मार सकते हैं। इस मामले में हैरानी की बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया ने इसी साल अगस्त-सितंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राज्य को औपचारिक मान्यता देने का फैसला किया था। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया में यहूदियों की कुल आबादी करीब 1 लाख 17 हजार से 20 हजार के बीच है। इनमे से भी आधे यहूदी मेलबर्न में रहते हैं। वैसे ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाएं आम नहीं हैं। साल 1996 में पोर्ट आर्थर में हुए एक बेहद दर्दनाक हमले के बाद यहां सख्त गन कानून लागू किए गए थे। उस हमले में एक अकेले हमलावर ने 35 लोगों की हत्या कर दी थी। ऑस्ट्रेलिया में बंदूक खरीदने के कड़े कानून हैं। बावजूद इसके यह हत्याकांड उन देशों के लिए भी खतरे की घंटी है, जिनका फिलीस्तीन के मुद्दे पर नरम रूख रहा है।

फिर टूटेगा पाकिस्तान, अब पख्तून अस्मिता की बारी

बंगला अस्मिता भाषा,संस्कृति और आर्थिक शोषण के सवाल पर उभरी थी, पख्तून अस्मिता मानव गरिमा,सुरक्षा,मानवाधिकार और स्वायत्तता के सवाल पर केंद्रित है। दोनों संघर्षों में सेना की भूमिका निर्णायक और दमनकारी रही है। पूर्वी पाकिस्तान में यह दमन खुला नरसंहार बना, जबकि पख्तून क्षेत्रों में यह उत्पीड़न, अत्याचार और शोषण के रूप में दिखता है।

नजरिया

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

लेखक राजनीति के प्रोफेसर एवं विदेशी मामलों के जानकार हैं।

पाकिस्तान में इतिहास खुद को फिर दोहरा रहा है। इमरान खान को सत्ता और बहुमत होने के बावजूद राजनीतिक और कानूनी दबावों का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर मिलकर इमरान खान,उनके राजनीतिक दल और समर्थकों को निशाना बना रहे है। पाकिस्तान के सीमाई प्रान्त खैबर पख्तूनख्वा में उनकी व्यापक लोकप्रियता और जनादेश के बावजूद यह संघर्ष इमरान खान के लिए मुसीबत बन गया है। 1970 के दशक में याह्या खान और जुल्फिकार अली भुट्टो ने पूर्वी पाकिस्तान में बढ़ते राजनीतिक दबाव और मुजीबुर्रहमान के प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक लामबंदी अपनाई थी। 1970 के आम चुनावों में मुजीब की पार्टी अवामी लीग ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया था,लेकिन पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं और सैन्य प्रतिष्ठान ने इसे स्वीकार नहीं किया। याह्या खान ने मार्शल लॉ और सैन्य दबाव का सहारा लिया जबकि भुट्टो ने राजनीतिक रूप से मुजीब के विरोध में ताकत जुटाई। यह स्थिति अंततः पूर्वी पाकिस्तान में असंतोष और हिंसा की ओर बढ़ी, जिससे 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता और पाकिस्तान के विभाजन का मार्ग खुला था।

आज इमरान खान और शेख़ मुजीबुर्रहमान के बीच समानताओं की चर्चा इसलिए है क्योंकि दोनों को जनादेश मिलने के बावजूद सत्ता-प्रतिष्ठान ने स्वीकार नहीं किया। 1970 के आम चुनाव में मुजीबुर्रहमान को स्पष्ट बहुमत मिला था लेकिन पाकिस्तान की सैन्य नौकरशाही ने सत्ता हस्तांतरण से इनकार किया। परिणामस्वरूप राजनीतिक संकट दमन में बदला और वही अंततः बांग्लादेश के निर्माण का कारण बना। इमरान खान के मामले में भी एक समान बिंदु दिखता है। 2024 के चुनावों के बाद पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों को व्यापक जनसमर्थन मिला। इसके बावजूद इमरान खान आज जेल में हैं,उनकी पार्टी को राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा गया है और सत्ता का वास्तविक नियंत्रण सेना-समर्थित ढांचे के पास है। इससे यह धारणा मजबूत हुई है कि जनादेश और सत्ता के बीच खाई पैदा हो चुकी है। मुजीबुर्रहमान का आंदोलन स्पष्ट रूप से अलगाववादी दिशा में चला गया था,जबकि इमरान खान अभी भी पाकिस्तान के भीतर न्याय,लोकतंत्र और संविधान की बात करते हैं। लेकिन इतिहास यह भी सिखाता है कि जब बार-बार जनादेश को कुचला जाता है तो आंदोलन की दिशा बदल सकती है। इमरान खान की मौजूदा स्थिति की तुलना शेख़ मुजीबुर्रहमान से किया जाना संयोग नहीं है, बल्कि यह पाकिस्तान की सत्ता-संरचना के भीतर गहरे संकट की ओर इशारा करता है। जैसे 1970 के चुनावों में पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद मुजीबुर्रहमान को सत्ता हस्तांतरण से वंचित कर दिया गया था, वैसे ही आज इमरान खान को स्पष्ट जनसमर्थन के बावजूद जेल में रखा गया है। दोनों ही मामलों में सैन्य प्रतिष्ठान ने जनादेश को स्वीकार करने से इनकार किया।

इमरान खान का खैबर पख्तूनख्वा से गहरा नाता है। यह प्रांत लंबे समय से सैन्य अभियानों,उपेक्षा और असुरक्षा का शिकार रहा है। इमरान खान सत्ता से हटाए जाने के बाद युवाओं के लिए प्रतिरोध के प्रतीक बन गए है। यही स्थिति कभी पूर्वी पाकिस्तान में मुजीबुर्रहमान की थी जहां बंगला अस्मिता ने राजनीतिक अन्याय के खिलाफ सामूहिक रूप ले लिया था।इमरान खान का दमन पख्तून अस्मिता के घावों को और गहरा करता है। यदि जनादेश को लगातार कुचला गया और संवाद की जगह दमन बना रहा,तो खैबर पख्तूनख्वा के पाकिस्तान से अलग होने की मजबूत संभावना है। इमरान खान का राजनीतिक प्रभाव खैबर पख्तूनख्वा में असाधारण रूप से गहरा है। 2013 के बाद से पीटीआई के आने के बाद इस सूबे में एक वैकल्पिक राजनीतिक चेतना विकसित हुई है। 2022 में सत्ता से हटाए जाने के बाद इमरान खान का सेना के प्रति रुख टकरावपूर्ण हो गया है। केपी और पूर्व फाटा क्षेत्रों में इमरान खान को विरोध की आवाज़ और इस्लामाबाद के केंद्रीकृत सत्ता ढांचे के खिलाफ प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा है। यह वही क्षेत्र है जो दशकों से आतंकवाद,सैन्य अभियानों और विस्थापन का बोझ झेलता रहा है। इमरान खान की गिरफ्तारी और उनके साथ किया गया व्यवहार,केपी के युवाओं में गहरे असंतोष को जन्म देता है। पख्तून अस्मिता को लेकर पाकिस्तान अपने जन्म के समय से असहज और आशंकित रहा है। पख्तून राष्ट्रवाद मूलतः जातीय,सांस्कृतिक पहचान,भाषा, इतिहास और पख्तूनवाली जैसे पारंपरिक मूल्यों पर आधारित एक वैचारिक धारा है। इसका उद्देश्य पख्तूनों के राजनीतिक अधिकारों,सम्मान,संसाधनों पर नियंत्रण और सांस्कृतिक स्वायत्तता को स्थापित करना रहा है। यह राष्ट्रवाद पाकिस्तान,अफगानिस्तान और सीमावर्ती क्षेत्रों में अलग-अलग रूपों में उभरा है। ब्रिटिश काल में खान अब्दुल गफ्फार खान और खुदाई खिदमतगार आंदोलन ने पख्तून पहचान को अहिंसक,लोकतांत्रिक और स्वशासन की अवधारणा से जोड़ा। 1947 के बाद पाकिस्तान में पख्तून राष्ट्रवाद को संदेह की दृष्टि से देखा गया क्योंकि यह केंद्र की मजबूत,सैन्य-प्रधान राज्य संरचना से टकराता था। खैबर पख्तूनख्वा और पूर्व फाटा क्षेत्रों में दशकों से चले आ रहे पाकिस्तान के सैन्य अभियानों,चेकपोस्ट,विस्थापन और जबरन गुमशुदगियों ने पख्तूनों के भीतर यह भावना गहरी कर दी है कि उन्हें नागरिक नहीं,बल्कि संदिग्ध आबादी की तरह देखा जाता है।

पाकिस्तान की सेना इस पूरे क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से देखती है,जबकि पख्तून समाज इसे राजनीतिक और मानवीय संकट मानता है। यही टकराव पख्तून अस्मिता की जड़ में है। इमरान खान के सत्ता से हटने के बाद सेना-विरोधी माहौल ने इस संघर्ष को और धार दी। केपी के युवाओं में यह धारणा बनी कि सेना केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि उनकी पहचान और भविष्य को भी नियंत्रित करना चाहती है। पख्तून अस्मिता का संघर्ष यदि मौजूदा दिशा में ही आगे बढ़ता रहा,तो उसके व्यापक,गहरे और अस्थिरकारी रूप लेने की पूरी संभावना है। इसकी पहली वजह लगातार उपेक्षा और दमन की राजनीति है। खैबर पख्तूनख्वा और पूर्व फाटा क्षेत्रों में सैन्य अभियानों के बाद भी शांति, विकास और न्याय का वादा अधूरा रहा है।

पख्तून अस्मिता की लड़ाई और बंगला अस्मिता के संघर्ष के बीच कई समानताएं दिखाई देती हैं। दोनों ही मामलों में मूल टकराव केंद्र की वर्चस्ववादी सत्ता और परिधि की पहचान के बीच रहा है। जैसे पूर्वी पाकिस्तान में बंगालियों को राजनीतिक,आर्थिक और सैन्य रूप से दोयम दर्जे का नागरिक माना गया। वैसे ही पख्तून क्षेत्रों में भी लंबे समय से यह भावना बनी रही है कि नियंत्रित किया जाता है और नागरिक अधिकार प्रदान नहीं किए जाते हैं। बंगला अस्मिता भाषा,संस्कृति और आर्थिक शोषण के सवाल पर उभरी थी, पख्तून अस्मिता मानव गरिमा,सुरक्षा,मानवाधिकार और स्वायत्तता के सवाल पर केंद्रित है। दोनों संघर्षों में सेना की भूमिका निर्णायक और दमनकारी रही है। पूर्वी पाकिस्तान में यह दमन खुला नरसंहार बना,जबकि पख्तून क्षेत्रों में यह उत्पीड़न,अत्याचार और शोषण के रूप में दिखता है।

यदि इमरान खान को जेल से जल्द रिहा नहीं किया जाता है और सेना दबाव और दमन की रणनीति जारी रखती है,तो इसका सबसे तीव्र असर खैबर पख्तूनख्वा में दिखाई देगा। यह प्रांत न केवल इमरान खान का राजनीतिक गढ़ है,बल्कि यहां पीटीआई समर्थक और पख्तून अस्मिता का मजबूत जनाधार मौजूद है। लंबे समय से सैन्य अभियानों,विस्थापन और मानवाधिकार उल्लंघनों से असंतोष गहरा चुका है और इमरान खान के खिलाफ दमन इस नाराज़गी को और भड़का सकता है। केपी में तालिबान का प्रभाव भी इसे संवेदनशील बनाता है। सीमावर्ती इलाके,पर्वतीय भूगोल और अफगानिस्तान के साथ संपर्क ने यहां कट्टरपंथ और हथियारबंद संगठन को असरदार बनाया है। यदि स्थानीय असंतोष और हिंसक तत्वों का मेल हो गया तो राजनीतिक तनाव सैन्य-संबंधी नियंत्रण से बाहर भी जा सकता है। 1971 में बांग्लादेश के अलग होने से पाकिस्तान को भारी आर्थिक और भू-राजनीतिक नुकसान हुआ था। पूर्वी पाकिस्तान में उद्योग,वस्त्र, चावल और निर्यात के बड़े हिस्से चले गए,जिससे जीडीपी में गिरावट आई,केंद्रीय राजस्व और व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण खो गया और विदेशी मुद्रा संकट बढ़ गया था,जिससे पाकिस्तान फिर कभी उबर नहीं पाया। अब पाकिस्तान का सरहदी प्रान्त खैबर पख्तूनख्वा भी बांग्लादेश की राह पर है,यदि यह सूबा अलग हो गया तो पाकिस्तान की सरहदें सिमट जाएंगी,सैन्य क्षमता घट जाएगी, प्राकृतिक संसाधन खत्म हो जाएंगे तथा खनिज, जलविद्युत और व्यापारिक मार्गों पर से वह नियंत्रण खो देगा। बहरहाल सेना के तेवर इमरान खान को लेकर बड़े सख्त है। यदि राजनीतिक संवाद की जगह दमन इसी प्रकार होता रहा तो पख्तून अस्मिता की लड़ाई भी बहुत जल्दी उसी ऐतिहासिक रास्ते की ओर बढ़ती हुई प्रतीत हो सकती है जिस पर कभी बंगला अस्मिता चली थी।

जेन जी के उदय और आतंक के नए चेहरे का साल

गुजरता साल 2025

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

साल 2025 बीतने जा रहा है। महज कुछेक दिन ही शेष हैं। वैसे भी यह साल जितनी जल्दी इतिहास के पन्नों में समा जाये उतना ही अच्छा। क्या- क्या नहीं घटा इस बीत रहे साल में। ऐसा साल और ऐसी असाधारण घटनाएं भी आगे कभी घटित ना हो, उनकी पुनरावृत्ति किसी भी सूरत में ना हो यही सब चाहते हैं। इस साल के प्रमुख घटनाक्रम, अच्छी- बुरी स्मृतियों को समेटने बैठा हूँ तो समझ नहीं आ रहा कहाँ से शुरुआत करूं। या कि क्या भूलूं क्या याद करूं की तर्ज पर सोचूं।

सो, पहले शुरूआत कुछेक अच्छी खबरों और सूचनाओं से। हमारी- आपकी दिवाली त्योहार को यूनेस्को ने सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है। दिवाली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान मिला है जो देश की 16 वीं विरासत है। अच्छा हुआ कि जिन विशेषताओं को लेकर दीपावली त्योहार को चुना गया उनमें पटाखों से होने वाले शोरगुल और प्रदूषण को नजरअंदाज किया गया है। खैर, हमारी अर्थव्यवस्था छलांगें लगाने को आतुर है, लोगों की गरीबी दूर करने की कोशिशों के बेहतर नतीजे की रिपोर्ट सामने आई। ऐसे वक्त भी जबकि तकरीबन 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराने का कल्याणकारी कार्य बदस्तूर जारी है।

हमारा रुपया जब- तब बड़े भैया डॉलर की तुलना में गिरकर धड़ाम होता रहता है। हम विश्व गुरू की उपाधि के शिखर पर हैं और विश्व हमारी ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है। उन्हें लगता है बल्कि भरोसा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान हमारे पास मौजूद है। फिर चाहे लंबे समय से चल रहा रूस- यूक्रेन का युद्ध हो या थाईलैंड- कंबोडिया के बीच कुछ ही माह में दूसरी बार छिड़ा युद्ध हो। एशियाई हों या यूरोपीय देश वहां की स्थितियों, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक संकट या युद्ध जैसी तनातनी आदि के हल के लिये हमारे देश की ओर देखा जा रहा है। हमारे लोकतंत्र और निर्वाचन प्रक्रिया को देखने विदेशों से शिष्टमंडल आते हैं फिर भले ही विपक्षी दल और उनका गठबंधन कितना ही हल्ला मचायें कि लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाएं कथित रूप से खतरे में है तथा वोटों की कथित चोरी और एसआईआर के जरिये वोट देने के अधिकार पर कथित संकट मंडरा रहा हो। सत्तारूढ़ दल और प्रतिपक्ष के बीच संबंध इतने तल्ख हो गये हों कि ना तो संसद सत्र सुचारू ढंग से चल पा रहे और ना ही राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर एकमत होकर फैसले हो रहे हैं। सियासत में आपस में प्रयुक्त भाषा के स्तर का तो जिक्र करना ही बेकार है।

यह साल जाते-जाते भी मशहूर पर्यटन स्थल गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौतें दे गया। इनमें पर्यटक और होटल कर्मी भी शामिल हैं। सरकार की नाक के नीचे नियमों की अनदेखी कर यह क्लब चलता था और इसके जिम्मेदार भागकर थाईलैंड पहुंच जाते हैं। हालांकि पकड़े भी जाते हैं। आश्चर्य है कि साल के आखरी दिनों में ना केवल गोवा बल्कि सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है तब ऐसी घटनाओं का होना घोर लापरवाही नहीं तो और क्या है। गोवा में तो इसी समय कार्निवाल और नये साल के जश्न के लिए बड़ी संख्या में सैलानी एकत्रित होते हैं। एक अन्य घटना का संबंध मध्यप्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध खजुराहो से है जिसमें खाने में कथित विषाक्त पदार्थ से एक रिसॉर्ट के तीन कर्मचारियों की मृत्यु हो गई तथा सात गंभीर मरीजों का उपचार किया गया है। दरअसल इस तरह की घटनाओं का विपरीत प्रभाव पर्यटकों के फुटफॉल के साथ ही हमारी छवि पर भी पड़ता है।

हमारे यहाँ समस्याएं जमीन पर ही नहीं आसमान से भी टपकती है। जैसे कि हाल ही में एक प्रायवेट विमान कंपनी इंडिगो ने देश के विमानन क्षेत्र और यात्रियों के साथ किया। ऐसा संकट शायद कभी हुआ हो। क्रू की कमी बताकर सैकड़ों फ्लाइट्स रद्द कर लाखों यात्रियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। देश के एयरपोर्ट किसी बस अड्डे पर प्रतीक्षारत यात्रियों और उनके अस्त व्यस्त बिखरे सामान जैसे प्रतीत हो रहे थे। एयर इंडिया पहले ही निजी हाथों में चला गया सो कोई सरकारी विमान कंपनी बची नहीं तो मोनोपोली तो होगी ही। किराये की मनमानी वसूली होने पर भी नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा डीजीसीए असहाय से नजर आये। इनकी उपयोगिता पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। ज्यादा वक्त नहीं हुआ जब 12 जून को अहमदाबाद में उड़ान भरने के चंद मिनट में ही बोइंग ड्रीमलाइनर एयरपोर्ट से सटे हॉस्टल से टकराकर आग के गोले में तब्दील हो गया। इस दर्दनाक हादसे में एक को छोड़कर सभी 241 यात्री और क्रू मेंबर मारे गये। इसी प्रकार पवित्र केदारनाथ धाम के नज़दीक दो बार हेलीकॉप्टर क्रेस में तीर्थयात्री जान गंवा बैठे। बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के मशहूर पर्यटक स्थल पहलगाम के बेसरन में आतंकी हमले में 26 पर्यटक बेमौत मारे गये इनमें एक विदेशी पर्यटक शामिल है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की तीखी प्रतिक्रियास्वरूप ऑपरेशन सिंदूर के नाम से की गई सैन्य कार्रवाई में पीओके समेत 9 जगहों पर आतंकी ठिकानों को भारतीय सेना ने नेस्तनाबूद कर दिया। बड़ी संख्या में आतंकी और उनके हैण्डलर को भी ढेर कर दिया गया। इस घटना के दोषियों को भी बाद में सेना ने मार गिराया। इसके बावजूद पड़ोसी देश पाकिस्तान ने शायद कोई सबक सीखा हो।

अभी भी जब तब आतंकी घटनाएं होती रहती है। रहती है। नई दिल्ली के संवेदनशील लाल किला इलाके में विस्फोटक से लदी कार में आत्मघाती विस्फोट की घटना में अनेक बेकसूर लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। घटना से जुड़े व्हाइट कॉलर आतंकियों की धरपकड़ में नये खुलासे सामने आ रहे हैं।

साल की शुरुआत में ही प्रयागराज महाकुंभ में भारी भीड़ में कुचलने से 30 श्रद्धालु तथा नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ में 15 लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा था। सड़क दुर्घटनाओं , पुल गिरने, उत्तराखंड के पर्यटन स्थल धराली में अचानक आये सैलाब और पहाड़ धंसकने, लैंड स्लाइडिंग जैसी घटनाएं हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर से लेकर अनेक जगहों पर घटी जिनमें पर्यटक, नागरिक और सेना के जवान भी मारे गये।

बीते साल में जेन जी नामक एक नई पहचान का प्रादुर्भाव सामने आया जिसने नेपाल सहित अन्य देशों में तथा लेह लद्दाख समेत देश के कुछ शहरों में आंदोलन से ध्यान आकर्षित किया। अब यह शब्द प्रचलन में आ गया है। बिहार समेत देश के दर्जन भर राज्यों में एसआईआर के जरिये की गई कार्रवाई का विरोध छाया रहा तो कथित तौर पर वोट चोरी का मामला भी सड़कों से लेकर संसद तक शोरगुल, कार्रवाई स्थगित होने की वजह बनता रहा। पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के आसन्न चुनावों में भी संभवत- यह मुद्दा बना रहेगा। इस साल जिन हस्तियों ने इस संसार को अलविदा कहा उनमें सदाबहार अभिनेता धर्मेंद्र, मनोज कुमार, असरानी, पंकज धीर, सतीश शाह, अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित तथा जुबीन गर्ग आदि तथा राजनीतिज्ञों में पूर्व प्रधान मंत्री मन मोहन सिंह, पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल,गुजरात केपूर्व सीएम विजय रूपानी आदि शामिल हैं। उम्मीद की जाना चाहिये कि आने वाला साल 2026 सभी के लिये शुभ हो। 'सर्वे भवंतु सुखिनः।'

टूटना भरोसे का ऊर्फ भरोसे की भैंस

कटाक्ष

सुरेश उपाध्याय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बचपन में कागज के बने हवाई जहाज व राकेट की उडान वातावरण को उमंग, उत्साह व रोमांच से भर देते थे. उडाने के इस खेल में स्वयम के उडने की आकांक्षा नही होती थी. छत और मैदान के ऊपर मंडराते हवाई जहाज की आवाज बरबस सबका ध्यान आकृषित करती थी. इन क्षणो की खुशी में कभी आकाश में उडने की लालसा जागृत हुई हो, ऐसा सुनने / देखने में नही आया था. बढती उम्र में भी आर्थिक स्थिति ने अधिकांश को हवा में उडने की आस को पलने नही दिया था. लेकिन 'हवाई चप्पल वाले भी हवाई जहाज से यात्रा करेंगे,' इस एक बयान ने नई उम्मीद जगाई थी. निम्नङ्कमध्य वर्ग में आकाश में उडने की आशा बलवती हुई थी और 'मुमकिन है' के नारे से अतिरिक्त विश्वास का संचार हुआ था. निजी क्षेत्र में उड्डयन सेवाओ के विस्तार तथा प्रतिस्पर्धा से हवाई चप्पल के हवा हवाई के स्वप्न साकार होते नजर आ रहे थे. नई आकांक्षा के पुष्पित व पल्लवित होने के प्रबल आसार दिखाई देने लगे थे. हवाई चप्पलो व बद्दियो की बिक्री बढ गई थी, वे भी गर्व का अनुभव करने लगी थी. हवाई चप्पल, टूटी बद्दी पहनने का हीनता बोध क्षीण पडता नजर आ रहा था. वर्ष अंत व नववर्ष के स्वागत के स्वप्न सजाए जा रहे थे कि अचानक विपदा आन पडी. अकल्पनीय इस विपदा ने हवाई चप्पलो की इच्छाओ पर तुषारापात सा कर दिया है. मनमसोस कर वे रेल व बस यात्रा के गुण गाने लगी है. हजारो की संख्या में विमान उडान के निरस्त होने के समाचार आने लगे तो एलिट क्लास (सम्पन्न वर्ग) को भी रेल, बस व परिवहन के अन्य साधन याद आने लगे हैं. कम्प्यूटर व ए आई के युग में भी निरस्त उडानो की संख्या के साथ करीब व लगभग प्रत्यय लगने से किसी को भी आश्चर्य नही हुआ है. हवाई अड्डो पर यात्रियो की भीड व असुविधाओ ने रेलवे स्टेशनो व बस अड्डो का मान फिर बढा दिया है. ठसाठस भरी रेल व बस तथा इनकी छतो पर यात्राओ के दृष्य हवाई यात्रियो को चिढाने से लगे हैं, काश यह सुविधा हवाई जहाज में भी होती. हवाई यात्रियो के गुस्सो, प्रदर्शनो व नारो ने डिग्निटी (गरिमा) को तिलांजली देकर तथा मुआवजे व क्षतिपूर्ति की मांग से अपने आप को डिक्लास करने का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है. रेल, बस व अन्य लोक परिवहन के साधन की महत्ता का महिमा मंडन बढ गया है तथा पारिवारिक आयोजनो में सम्मिलित न होने वाली हवाई चप्पलो को विमान सेवा निरस्त होने का ठोस बहाना मिल गया है.

आपदा में अवसर का जो महामंत्र बताया गया था, उसका भरपुर दोहन हवाई सेवा प्रदाताओ ने किया है. इन दिनो उनके लिए फिर से त्यौहार का मौसम आ गया है. पांच से दस गुना अधिक तक किराया वसूल कर यात्रियो को उपकृत तो किया ही गया है, साथ ही संकट के समय में यथा सम्भव उनकी मदद करने का प्रयास भी किया गया है. आग लगने पर कुआ खोदने की तर्ज पर हवाई यात्रियो की सुविधाओ, यात्रा निरस्तीकरण पर रिफंड ,मुआवजा, क्षतिपूर्ति आदि के लिए प्रभावी कानून की मांग व चर्चाए होने लगी. हवाई चप्पल के हवाई यात्रा के स्वप्न धरासायी तो हुए ही हैं, उसे भरोसे की भैंस का मुहावरा याद आ गया है.

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मेरी शोकसभा में होगा ये....

व्यंग्य

डॉ. महेंद्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

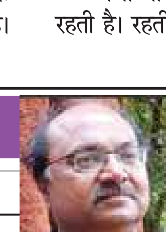

जीवन शाश्वत है का अर्थ ये है कि धरती पर आदि काल से बना हुआ है और आगे भी बना रहेगा। इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम धरती पर सदैव बने रहेंगे। इसलिए जीवन के साथ मृत्यु की संभावनाओं पर भी विचार करते रहना चाहिये। हां, जीवित व्यक्तियों के साथ मृतक जैसा व्यवहार न करें। आजकल सभ्यता चरम पर है तो शिष्टाचार भी उठ-उठकर आसपास झांकता रहता है। अब तो शव यात्रा में भी इसका ध्यान रखा जाता है। चूंकि मैंने साहित्य के क्षेत्र में बहुत हाथ पांव पटके, पारस्परिक प्रतिद्वंद्विता के अखाड़े में अनेक विरोधियों को अपनी प्रतिभा, हिम्मत, धनबल और बाहुबल से खदेड़ा, समय-समय पर जुटाए हुए दर्शकों की भारी भीड़ के समक्ष उनसे कुश्तियां लड़ीं। कुश्ती बराबर भले ही छूटी हो परंतु मैं कभी किसी से पराजित नहीं हुआ यह मेरे लिए गर्व का विषय हो सकता है किन्तु इसका मलाल भी शहर में कई लोगों के दिल में कसकता होगा। मेरी मृत्यु उपरांत आयोजित शोक सभा उनकी दमित कामनाओं को उजागर करने में कारगर साबित होगी।यह होनी ही चाहिए। सभी प्रतिष्ठित लोगों की होती है स्थानीय एम.एल.ए.तक की, फिर मेरी क्यों नहीं? नेताओं की शोक सभा में विपक्षी भी आते हैं और पक्षी भी, स्वर सभी का एक सा होता है, हां किसी-किसी की टोन थोड़ी बदल जाती है पर इस पर कोई ध्यान नहीं देता। मेरी शोक सभा में भी श्रोतागण इस पर ध्यान न दें। यह मेरा विनम्र निवेदन है हांलाकि मैं किसी का कुछ नहीं कर पाउंगा।

मेरी श्रद्धांजलि सभा में कौन क्या बोलेगा,यह बात मुझे भलीभांति ज्ञात है। जिन्हें मैं फूटी आँखों नहीं सुहाता था वह मुझे अपना अंतरंग मित्र बताएंगे। औपचारिक यप् से उन्हें ऐसा करना भी चाहिये। मरने के बाद अब कैसा बैर भाव? जो मुझे स्थानीय स्तर पर अपनी राह का सबसे बड़ा कांटा मानते थे और ज़िला स्तर पर ही निकृष्ट साबित कर निपटाने में लगे थे वह मुझे राष्ट्रीय नहीं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा निरूपित करने से नहीं चूकेंगे। क्योंकि मरने के बाद किसी के बारे में गलज बातें नहीं करनी चाहिये। लेकिन जिन्हें मेरी अंतर्राष्ट्रीय हैसियत का भान है, ज्ञान है वह इसका उल्लेख करने से कतराएंगे। मेरे अपने समाज के पदाधिकारी व अन्य प्रतिष्ठितजन जो सदैव मुझसे डरते,घबराते थे और मुझे सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से रोकने का प्रयास करते थे ताकि उनका राजकाज निर्विघ्न चलता रहे,वे इसे निश्चित ही अपने समाज की अपूरणीय क्षति बताएंगे। कारण मान्यता है कि मरने के बाद किसी के नाम से समाज को कोई फायदा हो तो उठा लेना चाहिये।

श्रद्धांजलि सभा में मुझे अच्छा बताकर स्थानीय कवि शायर किसी बहाने अपना काव्यपाठ करना चाहेंगे। इतनी भीड़ और ऐसे शांत ,भीरू श्रोता उन्हें और कहां मिलेंगे ? इस बहाने ही सही, इन अपठितों की भड़ास निकल जाएगी, और नगर के लोग भी इनके दुखदायी वचनों को श्रवण कर लेंगे। मेरी आत्मा को शांति मिले या न मिले, इन पढ़ास प्रियों की आत्मा अवश्य तृप्त हो जाएगी। अंत्येष्टि के बाद यही मेरा अंतिम सार्वजनिक स्मरण दिवस होगा क्योंकि बाद में तो केवल परिजन ही याद रखेंगे वो भी उनका मन हुआ तो,अतः ऐसे अवसर पर किसी को रोकना नहीं चाहिये। पर उठावनी कम शोक सभा में उपस्थित चार बजते ही अपनी घड़ियां देखने लगते हैं इसलिए समय का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आजकल लोग बोलने वालों पर टीका टिप्पणी करने से नहीं चूकते।

शोक सभा के बाद मेरे परिजनों से मिलना जरूरी नहीं है क्योंकि बोलते हुए उन्होंने सबको अच्छी तरह देख व समझ लिया होगा। जो लोग आएं वह घड़ियाली आँसू न बहायें और न उन्हें सांत्वना दें क्योंकि उन्हें उसकी कोई आवश्यकता नहीं होगी। मैंने भले जीवन में कुछ न कमाया हो पर पैतृक संपत्ति तो पूरी छोड़कर जाउंगा अतः उनके पास सम्पन्नता या ऐश्वर्य का महासागर न सही ,आनंद की लहरों में डूबने उतरने लायक झील तो होगी ही। हो सके तो उन्हें जीवन में सफलता के नये सूत्र और शॉर्टकट बतायें जो मैं उन्हें अपने पिता के आदर्शवाद के चलते जीते जी नहीं बता सका। जो भी सज्जन मेरी आकांक्षाओं को मूर्त रूप देंगे मैं उन्हें अभी इसी समय अंतिम प्रणाम करता हूं। गलत न समझें, अंतिम प्रणाम उनकी सांसों के लिए नहीं है अपितु मेरी ओर से है। अपनी सांसों के अंतिम समय का, स्वीकार करें।

दृष्टिकोण
डॉ. लोकेन्द्र सिंह कोट
लेखक स्तंभकार हैं।

जीवन से लाड़ लड़ाती सर्दियां

हमारे वैज्ञानिक कहते हैं कि शीतकाल में मन के प्राकृतिक रूप से उदास होने की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। सर्दियों में उदासी, जिसे अक्सर 'विंटर ब्लूज़' कहा जाता है, प्राकृतिक धूप की कमी के कारण होती है। इससे निपटने के लिए, धूप में समय बिताने, शारीरिक व्यायाम करने, सामाजिक मेलजोल बढ़ाने और स्वस्थ आहार अपनाने जैसी बातों पर जोर दिया जाता है। प्रकृति से जुड़े हर पक्ष को त्यौहार में बदलकर हमारे जीवन का अभिन्न अंग बनाने वाले हमारे ऋषि मुनि का दृष्टिकोण कितना व्यवहारिक था कि वे जानते थे कि उल्लास, खुशी ही एक मानव का प्रमुख ध्येय में से एक है। इसीलिए अपने देश में यह उक्ति प्रसिद्ध है कि 'सदा दिवाली साल भर, सातों वार त्यौहार'। जब गांवों में अलाव तो शहरों में हीटर जलने लगते हैं तभी लगता है कि ठंड ने सभी को अपने आगोश में ले लिया है। अलाव से उठती हल्की लपटें और उसकी सुनहरी रोशनी रात के अँधेरे को मानो दूर कर देती हैं।

रोशनी और उत्साह देकर जब दीपावली जाते जाते देवों को भी जब जगाती है तो वह भोर गुलाबी ठंडक लिए होती है। अश्विन या क्वाँर की जो गर्मी चुभती है उसे जाते कार्तिक की यह गुलाबी ठंड चुनौती देती है और साथ में देवताओं से भी अपनी श्रेष्ठता की हाजरी भरवा लेती है। बरसात के बाद शीत की ऋतु ऐसी है जो उसकी सारी हरियाली को आगे तक बनाए रखती है। जहाँ रबी की फसलें अपने शैशवकाल में रहती है तो खरीफ की अरहर, बाजरा, ज्वार, गन्ना आदि अपने वानप्रस्थ में रहती है। यह फसलों का संगम प्रतिवर्ष सदियों से घटता आ रहा है। इस समय शीत ऋतु कांतिपूर्ण कार्तिक को विदाई देती है और अगहन का हजारों रंगों के फूलों से स्वागत करती है। भगवान कृष्ण ने श्रीमद्भागवत गीता के दसवें अध्याय (विभूति योग) में कहा है, 'मासानां मार्गशीर्षोऽयम्' जिसका अर्थ है 'महीनों में, मैं मार्गशीर्ष हूं'। कृष्ण ने स्वयं को मार्गशीर्ष (अगहन) माह के रूप में वर्णित किया है, जो कि उनका सबसे प्रिय महीना है।

परिवर्तन के चक्र में रंग भरती है ठंड

नित नूतन होते परिवर्तन को शीत ऋतु अमली जामा पहनाकर उसमें रंग भरकर चार चांद लगा देती है। शीत की एक लहर हमें चादर छोड़कर रजाई खींचने के लिए प्रेरित करती है और पंखों, कूलर बंद होने से छाई नीरवता में हृदय की हर धड़कन सुनाई देती है। रजाई में से झांकते मुंह इंतज़ार करते हैं कि कोई तो कहे, 'गरम गरम अदरक वाली चाय तैयार है.....' इंतजार करते मन को तब और भी आश्चर्य होता है जब कोई भाप निकलते पकौड़े भी साथ रख दे। मन तब कह उठता है, जन्नत तो यही है और साथ में बनाकर लाने वाल के लिए मुंह से सच्ची दुआ निकलती है। चाय, पकौड़ों से मिली गर्माहट नई ताजगी भर देती है। जब घर से बाहर निकलते हैं तो दूर गगन में विदा होता चांद मुस्कुरा रहा होता है और धुंध से भरे बगीचे में कुछ सप्ताह पहले लगाए पेटुनिया, गेंदा, गुलदाउदी, डहलिया, पैंसी, कैलेंडुला, स्नैपड्रैगन, स्वीट पी और विंटर जेस्मिन रंग बिरंगे फूलों से भरे हमारी आँखों चमक और मन में खुशी बढ़ाते हैं। इच्छा तो होती है कि इनसे थोड़ा लाड़ लड़ाया जाय, मन टमटमा कर रह जाता है। नए वर्ष का संकल्प लेकर कहीं आप सैर पर निकल गए तो पाएंगे कि सूरज को देखकर धरती ने हरा आंचल ओढ़ लिया है और पत्तों पर पड़ी ओस की ठंडी बूंदें जीवन के क्षणभंगुरता को दिखाती हुई कह रही है कि जीवन सिर्फ वर्तमान में ही है।

ठंड में खूब खाओ पिओ और पहनो मितरां

अक्सर हम सुनते हैं कि खाने और पहनने का मजा तो ठंड में है। वास्तव में यह ठंड ही है जो हमारे खाने और पहनने के शौक को दुगना, तिगुना करती है। इसलिए वैज्ञानिक भी कहते हैं, शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए ज़्यादा कैलोरी और वसा की जरूरत होती है, जिससे भूख बढ़ती है और गर्म व आरामदायक चीजें खाने की इच्छा होती है। ठंडे मौसम में धूप कम मिलने से सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर गिरता है, जो मूड को बेहतर करने वाले 'कम्फर्ट फूड' की ओर प्रेरित करता है। प्रकृति यहाँ भी हमारे साथ होती है और वह ऐसे फल इस समय पर देती है जो एंटीऑक्सीडेंट, खनिज और विटामिन से भरपूर, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करने वाले होते हैं जैसे अमरूद, अनार, संतरा, सेब, स्ट्रॉबेरी, अंजीर, खजूर, कीवी, नींबू, आंवला आदि। रंग- बिरंगे फूलों के साथ खट्टे, मीठे, रसीले फल हमें सर्दियों से दो - चार करने के लिए तैयार कर देते हैं। हमें यहीं पर याद आता है कि प्रकृति हमारी मां की तरह हमारी देखभाल करती है। कभी हमने यह सोचा है कि इसी देखभाल करने वाली मां की हम दिन प्रतिदिन कितनी कद्र कर रहे हैं। हवा, पानी, फल, फसलें हमें प्रकृति फ्री में देती है और जी भरकर देती है, हम ही उसका मूल्यांकन करने में चूक कर जाते हैं कई बार। ठंड के बहाने यह यक्ष प्रश्न तो उठना ही चाहिये।

दक्षिणायन से उत्तरायण के साक्षी अलाव और तिल गुड़

हमारे वैज्ञानिक कहते हैं कि शीतकाल में मन के प्राकृतिक रूप से उदास होने की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। सर्दियों में उदासी, जिसे अक्सर 'विंटर ब्लूज़' कहा जाता है, प्राकृतिक धूप की कमी के कारण होती है। इससे निपटने के लिए, धूप में समय बिताने, शारीरिक व्यायाम करने, सामाजिक मेलजोल बढ़ाने और स्वस्थ आहार अपनाने जैसी बातों पर जोर दिया जाता है। प्रकृति से जुड़े हर पक्ष को त्यौहार में बदलकर हमारे जीवन का अभिन्न अंग बनाने वाले हमारे ऋषि मुनि का दृष्टिकोण कितना व्यवहारिक था कि वे जानते थे कि उल्लास, खुशी ही एक मानव का प्रमुख ध्येय में से एक है। इसीलिए अपने देश में यह उक्ति प्रसिद्ध है कि 'सदा दिवाली साल भर, सातों वार त्यौहार'। जब गांवों में अलाव तो शहरों में हीटर जलने लगते हैं तभी लगता है कि ठंड ने सभी को अपने आगोश में ले लिया है। अलाव से उठती हल्की लपटें और उसकी सुनहरी रोशनी रात के अँधेरे को मानो दूर कर देती हैं। जलती लकड़ियों की चटख ध्वनि मानो प्रकृति का संगीत बन जाती है। बड़े-बुजुर्ग अलाव के पास बैठकर कहानियाँ सुनाते हैं, बच्चे खेलते हैं, और युवा दिनभर की थकान को वहीं बैठकर उतारते हैं। यह दृश्य सामाजिक एकता का सुंदर रूप प्रस्तुत करता है। सर्दियों में जैसे अलाव लोगों का मिलन करवाते हैं वैसे ही सर्दियाँ मिलन करवाती है दक्षिणायन और उत्तरायण के छ: छ: माहों का। इसे संक्रांति त्यौहार में बदल कर जीवन में खुशियों को आमंत्रित किया जाता है। मिलन तमाम अन्य भावों के साथ अद्भुत प्रसन्नता देता है और ऐसे समय कोई से भी कुछ भी मांगो वह देने को आतुर रहता है। जैसे नदियाँ भी इस समय इठलाती हैं, प्रसन्न रहती हैं क्योंकि इस समय नदियों से वाष्पन होता है, जो हमारे लिए भविष्य में बरसात की बुनियाद है और इस वाष्पन से हमारे रोग हरने की क्षमता होती है। इसलिए भी इस समय नदियों में स्नान पवित्र माना जाता है। इस समय दिन बड़े होने लगते है तो मानव की कार्यक्षमता में भी बढ़ौतरी होती है। असम में बिहू तो पंजाब में लोहड़ी के रूप में मकर सक्रांती मनाने के पीछे फसल अपनी परिपक्वता पर पहुँचना है। गुजरात में पतंग संक्रांति, बिहार में तिलकुट, उड़ीसा, बंगाल, झारखेड में टुसू, तमिलनाडू में पोंगल के भिन्न-भिन्न रूपों में उल्लास बहता है। खिचड़ी, तिल, गुड़ आदि इस समय का श्रेष्ठ निवाला माना जाता है। ये तीनों पाचन क्षमता, प्रतिरोधक क्षमता विकास से जुड़े हुए हैं साथ ही इनकी तासीर भी गर्म रहती है तो ठंड में शरीर के ताप को संतुलित बनाए रखने में भी मदद करती है।

शीत ऋतु साधना, ज्ञान और आत्मा से सीधे जोड़ती है

यूँ तो हर महीने में संक्रांति घटती है लेकिन शीत ऋतु में घटने वाली संक्रांति अद्भुत होती है जो हमें महसूस कराती है कि पौष और माघ सूर्य भी उतने ही शीतल हैं। सूर्य के एक आयाम बदलने पर संक्रांति घटती है उसी तरह जैसे अंधकार से प्रकाश में आने, अज्ञान से ज्ञान में आने पर हमारा भी आयाम बदल जाता है। अंगुलिमाल हो चाहे कालिदास एक आयाम बदला तो क्या से क्या हो गए। जीवन ज्ञान पर ही आधारित है, सूचनाओं पर नहीं। ज्ञान का जीवन में दृढ़ होना ही प्रकाशवान हो जाना है। जैसे सूर्य से यह सृष्टि प्रकाशित होकर खिलती है, चलायमान होती है वैसे ही ज्ञान का प्रकाश हमें आगे की ओर बढ़ाता है, जड़ता से बचाता है, विकारों से बचाता है। शिशिर ऋतु में वातावरण में सूर्य के अमृत तत्व की प्रधानता रहती है। मकर संक्रांति के अवसर पर शीत अपने यौवन पर होती है। शाक, फल, वनस्पतियां इस अवधि में अमृत तत्व को अपने में सर्वाधिक आकर्षित करती हैं और उसी से पुष्ट होती हैं। रामायण काल में तीर्थराज प्रयाग में महर्षि भारद्वाज का आश्रम एवं साधना आरण्यक था। उनके सानिध्य में माघ महीने में भारत वर्ष के अनेक क्षेत्रों के आध्यात्मिक मुमुक्षु साधक एकत्रित होते थे। वे प्रयाग में एक मास का कल्पवास करते थे और चन्द्रायण तप के साथ महाविद्या की साधना करते थे। तुलसीदास के रामचरितमानस में भी इसका उल्लेख मिलता है, 'माघ मकर गत रवि जब होई, तीरथ-पतिहि आव सब कोई।' आगे फिर कहा है, 'ऐहि प्रकार भरि माघ नहाही, पुनि सब निज-निज आश्रम जाहीं।' इसका अर्थ है, माघ महीने में सभी साधक-तपस्वी प्रयाग में आकर अपनी साधना पूरी करते थे और फिर यथाक्रम वापस लौटते थे। साधना के लिए श्रेष्ठ काल का तमगा इसी समय को हासिल है। ऐसे में की गई साधना गई गुना ज्यादा लाभ प्रदान करती है क्योंकि इस समय सारी स्थितियां सर्वथा अनुकूल होती है।

शीत ऋतु फाग के गीत गाते हुए जाती है मायके

फागुन की धूप प्रकृति में रस घोल देती है। सुर्ख पलाश के फूल, गुलमोहर को संवारती धूप गन्नों में मिठास भरती है ताकि तैयार हुआ जा सके वैसाख और जेठ की तल्खी से। तरबूजों, खरबूजों के बचपन को संवारती है फागुन की धूप। उन्हे नहलाकर, कंघी काढ़कर बैठा देती है अपने आंचल तले। वे फलते-फूलते बड़े होते जाते हैं। निंबोलियों से रिक्त हुआ नीम लग जाता है ध्यान में ताकि आने वाली गर्मीयाँ उसके ध्यान का फायदा ले सके, छाया में विरम सके कुछ पल। उसे पता है फिर से जीवन चक्र चलाने के लिए प्रसव पीड़ा से गुजरना है। नई निंबोलियों को जन्म देना है। नीम अपने घनेपन में सहारा है कई-कई पंछियों का, जो घोंसला बनाते हैं उस पर। उसकी कोटरों में भी कई सरिसृप, कठफोड़वा अपना निवास बनाते हैं और धूप यह सब देख मचलती है कि कैसा होगा यह नीम जो अपना शरीर, अंग, प्रत्यंग सब कुछ दूसरों को सौंप देता है। धूप ठगी सी देखती रह जाती है। यहाँ ठंड अपने बोरिया, बिस्तर बांधती है और अपनी असीमित यादें देकर विदा हो जाती है।

शिक्षकों की परीक्षा
अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'
स्वतंत्र लेखक

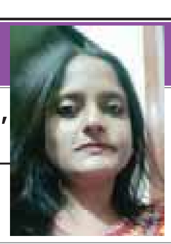

टीईटी की अनिवार्यता के साथ बदलाव जरूरी

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को आरटीई एक्ट-2009 के तहत कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों के लिए अनिवार्य बनाया गया था ताकि बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा का अधिकार मिले। लेकिन पिछले दस साल से देश के लाखों शिक्षक, खासकर 2010-2015 के बीच नियुक्त हुए, जो इस परीक्षा के कारण नौकरी, प्रमोशन और मानसिक शांति खोने की कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया कि टीईटी अनिवार्य है। इसके बाबजूद 9 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है।

सबसे बड़ा फायदा शिक्षकों को होगा। लाखों शिक्षक, जिनमें अधिकांश 45-55 साल के हैं, एक लिखित परीक्षा के दबाव से मुक्त हो जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में जहाँ पहले से शिक्षकों की कमी है, यह कमी पूरा होगी। शिक्षकों में प्रमोशन रुकने का डर खत्म होगा, वेतन विसंगतियां दूर होंगी और शिक्षक संगठनों का आंदोलन शांत हो जाएगा। कई राज्यों में भर्ती प्रक्रियाएं भी तेज होंगी क्योंकि बीएड करने वाले बिना टीईटी दिए नौकरी पा सकेंगे।

असल, वर्तमान टीईटी का स्वरूप ही सबसे बड़ी समस्या है। यह परीक्षा आज भी 10-12 साल पुराने सिलेबस और रटंत-आधारित प्रश्नों पर टिकी है, जबकि कक्षा में बच्चे डिजिटल टूल्स, प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अपेक्षा करते हैं। कई अनुभवी शिक्षक जो रोज़ कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, वे लिखित परीक्षा में असफल हो रहे हैं क्योंकि उनका कौशल अब पेपर टेस्ट में नहीं, बल्कि वास्तविक शिक्षण में नजर आता है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षक प्रमाणीकरण को लचीला और बहु-आयामी बना दिया है। अमेरिका में नेशनल बोर्ड सर्टिफिकेट, फिनलैंड में पोर्टफोलियो मूल्यांकन और सिंगापुर में पर्फामेंस बेस्ड असेसमेंट जैसे मॉडल सफलतापूर्वक चल रहे हैं। भारत में भी निष्ठा, दीक्षा और एससीईआरटी के मौजूदा ढाँचे का उपयोग कर एक हाइब्रिड प्रमाणीकरण प्रणाली बनाई जा सकती है जिसमें लिखित परीक्षा का वेटेज सिर्फ 30-40 प्रतिशत हो और बाकी कक्षा-प्रदर्शन, सहकर्मी समीक्षा तथा छात्र फीडबैक पर आधारित हो। जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा और शिक्षकों के साथ भी न्याय होगा लेकिन दूसरी तरफ शिक्षा की गुणवत्ता पर गहरा सवाल खड़ा होता है। टीईटी का मकसद सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि बाल मनोविज्ञान, शिक्षण शास्त्र और विषय की बुनियादी समझ जांचना था। यदि अनुभव के नाम पर इसे पूरी तरह हटा दिया गया तो 15-20 साल पुरानी डिग्री या प्रशिक्षण आज भी प्रासंगिक है कैसे हो सकती है? खासकर तब जब एनईपी -2020 खुद निरंतर प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर जोर दे रही है। एक तरफ हम विकसित शिक्षा नीति एवं विकसित भारत का सपना देख रहे है, दूसरी तरफ समय के साथ गुणवतापूर्ण न्यूनतम मानक को ही ढीला करने को तैयार हैं।

सोचने वाली बात यह है कि समस्या टीईटी से नहीं, बल्कि उसके कठोर एवं एकमात्र मानदंड के रूप में प्रयोग में है। इसका समाधान लिखित टेट में छूट नहीं, बल्कि अनुभवी शिक्षकों के लिए एक अलग अनुभवी शिक्षक प्रमाणीकरण कार्यक्रम शुरू करना हो सकता है। इस कार्यक्रम में कार्यशालाओं, व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स, कक्षा-आधारित प्रदर्शन और स्कूल-स्तरीय मूल्यांकन के माध्यम से उनकी वास्तविक शिक्षण योग्यता का आकलन किया जाए। साथ ही 2015 के बाद नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी को आसान और विषय-केंद्रित बनाया जा सकता है।

अंत में, टीईटी की अनिवार्यता की छूट न शिक्षा का भला करेगी, न शिक्षकों का। जरूरत संतुलित रास्ते की है, जहाँ अनुभव और कौशल का सम्मान हो और गुणवतापूर्ण शिक्षा का हक भी सुरक्षित रहे। शिक्षकों का ज्ञान रटंत नहीं होना चाहिए बल्कि भविष्य के साथ तालमेल रखने वाला, निरंतर अद्यतन और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सक्षम होना चाहिए।

इसके लिए टीईटी को हटाना या ढीला करना समाधान नहीं, बल्कि इसे अधिक व्यावहारिक, लचीला और समय के साथ विकसित होता हुआ बनाना जरूरी है।

दर्शन
शिवकुमार शर्मा
सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक

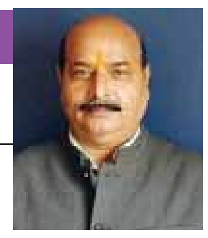

हमारे धर्मों में परिक्रमा- तथ्य एवं कथ्य

परिक्रमा का अर्थ किसी व्यक्ति,वस्तु या स्थान के चारों ओर भ्रमण करना है। परिक्रमा को प्रदक्षिणा भी कहा गया है। प्रगतं दक्षिणं इति प्रदक्षिणम्। संपूर्ण ब्रह्मांड में प्रत्येक ग्रह नक्षत्र किसी किसी तारे की परिक्रमा कर रहा है यह परिक्रमा ही जीवन का सत्य है । व्यक्ति का संपूर्ण जीवन एक चक्र है इस चक्र के प्रतीक्षा परिक्रमा की जाती है ऐसा माना जाता है कि भगवान में ही सारी सृष्टि समय हुई है इसलिए भगवान की परिक्रमा कर प्रतीकात्मक रूप से संपूर्ण श्रेष्ठ की परिक्रमा की जाना मानी जाती है। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक होगा कि उपग्रह ग्रह नक्षत्र और तारे घड़ी की विपरीत दिशा (वामावर्त)में परिक्रमण तथा घूर्णन गति करते हैं। चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा तथा पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा वामावर्त ही करते हैं। सूर्य आकाश गंगा के केंद्र में भी एंटी क्लाक वाइज ही परिभ्रमण करता है।

सनातन परम्परा में विभिन्न देवताओं की परिक्रमा की संख्या निर्धारित है।

एका चण्ड्या रवौ सप्त तिश्रोदद्यात विनायके।
चतश्रस्तु विष्णवे दद्यात् ,शिवस्यार्ध प्रदक्षिणा।।

शिवलिंग की आधी परिक्रमा की जाती है, क्योंकि जलहरी को लांघना उचित नहीं माना जाता है। श्रीविष्णु जी सहित उनके सभी अवतारों की चार परिक्रमा, गणेशजी की तीन देवी दुर्गा जी सहित उनके सभी विग्रहों की एक परिक्रमा करनी चाहिए। इसी प्रकार सूर्यदेव की सात हनुमानजी की तीन तथा पीपल के वृक्ष, तुलसी, बरगद, आंवला की 108 परिक्रमा करना शुभ माना जाता है। प्रदक्षिणा शोडषोपचार पूजा का एक अंग है।

यानि कानि च पापानि जन्मान्तर कृतानि च। तानि सर्वानि नश्यन्तु प्रदक्षिणां पदे पदे ।।

देवता को दाहिनी ओर करके अर्थात दक्षिणावर्ती (घड़ी की सुई की दिशा में) भ्रमण ही प्रदक्षिणा है। दाहिने हाथ की ओर से परिक्रमा करने पर हम मूर्तियों के समक्ष उत्पन्न होने वाली सकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण कर पाते हैं इससे मन को शांति प्राप्त होती है तथा नकारात्मकता समाप्त होती है।

तीर्थों में बृज और नैमिषारण्य की 84 कोस, गिरनार, दक्षिण में तिरुवन्नमल, गुजरात में गिरनार की परिक्रमा तथा अयोध्या, उज्जैन, प्रयागराज की पंचकोसी परिक्रमा की जाती है। छत्तीसगढ़ में रायपुर से 45 किलोमीटर दूर राजिम में महानदी पेरी और सौंडल तीन नदियों का संगम है इस त्रिवेणी संगम पर भी भक्त जनों द्वारा परिक्रमा की जाती है। पुण्य सलिला नर्मदा नदी की लगभग तीन हजार कि.मी. से अधिक की परिक्रमा लाखों श्रद्धालुओं की जाती है। नर्मदा मैया की परिक्रमा का सर्वाधिक महत्व है। यह किसी से छुपा नहीं है कि धर्म,अर्थ, काम और मोक्ष सब कुछ प्रदान करती है माई। अन्य नदियों गंगा गोदावरी, महानदी, गोमती, कावेरी ,सिंधु एवं ब्रह्मपुत्र आदि की परिक्रमा का भी प्रचलन है। नदियों की परिक्रमा उद्गम से संगम तक किए जाने पर पूर्ण मानी जाती है।

बृजवासियों द्वारा इंद्र की पूजा न होने से कुपित इंद्र ने अतिवृष्टि कर दी,जिससे त्राहि-त्राहि मच गई। भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उंगली पर धारण कर बृजवासियों की सुरक्षा की तथा इंद्र का अभिमान खंडित किया। तब से गोवर्धन पर्वत न केवल बृजवासियों अपितु सभी भारत वासियों का पूज्य तीर्थ बन गया। गोवर्धन पर्वत वृंदावन से 22 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु इस पर्वत की 21 किलोमीटर की परिक्रमा श्रद्धालुओं द्वारा की जाती है ।भगवान श्री राम ने वनवास के दौरान चित्रकूट में (विंध्याचल पर्वत श्रृंखला अंतर्गत) स्थित कामद गिरि पर वास किया था। उनकी कृपा से यह पर्वत पुण्य तीर्थ बन गया। मनोकामना पूर्ति हेतु कामद गिरि की 5 कि. मी. की परिक्रमा की जाती है। कामद भै गिरि राम प्रसादा। अवलोकत अपहरत विषादा।। (रा.च.मा./अयोध्या काण्ड/दोहा 278/ चौ.1)।

देवताओं में प्रथम पूज्य कौन है? इसका निर्णय करने के लिए पृथ्वी की परिक्रमा कर सबसे पहले भगवान शिव के पास पहुंचने की योग्यता रखी गई। सभी देवता अपने अपने वाहनों से धरती की परिक्रमा के लिए निकल पड़े। गणेश जी द्वारा शिव-पार्वती की परिक्रमा कर प्रतियोगिता जीत लीगई।

किसी के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए उसकी परिक्रमा की परम्परा के प्रमाण पाए जाते हैं। भगवान परशुराम जी ने श्री राम को पहचानने के बाद उनकी स्तुति की, परिक्रमा कर महेंद्र पर्वत को प्रस्थान कर गए। तथेति राघवेणोक्तः परिक्रम्य प्रणाम तम। पूजितस्तदनुज्ञातो महेन्द्राचलमन्वगात।।

(अध्यात्मरामायण/बालकांड/सर्ग 7/श्लोक50)

इसी प्रकार नारद जी द्वारा भगवान श्रीराम से राक्षसों के नाश की प्रतिज्ञा का स्मरण कराने हेतु भैंट की गई। श्रीराम ने रावण का कुटुम्ब सहित बन करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट की।इस पर नारद जी अति प्रसन्न हुए। तदनन्तर उन्होंने रामजी की तीन परिक्रमाएं कहीं और उन्हें दण्डडवत प्रणाम उनकी आज्ञा ले आकाश-मार्ग से देवलोक को चले गये।

प्रदक्षिणत्रयं कृत्वा दण्डवत्प्रणिपत्य तम्।
अनुज्ञातश्च रामेण ययौ देवगतिं मुनिः।।
(अध्यात्म रामायण/अयोध्या काण्ड/सर्ग 2/श्लोक 40)

सीता माता की खोज के लिए अंगद जी के नेतृत्व में निकले वानर दल में समुद्र लांघकर जाने की शक्ति की चर्चा पर दल के प्रत्येक सदस्य द्वारा अपनी शक्ति का बखान किया गया।तब जामवंत जी ने बताया कि

जबहिं त्रिविक्रम भए खरारी। तब मैं तरुण रहेउ बल भारी।
बलि बांधत प्रभु बाढ़ेउ सो तनु बरनि न जाय।
उभय घरी में दीन्ही सात प्रदक्षिण धाय।।
(रामचरितमानस/किष्किन्धाकाण्ड/दोहा 29)।

बाल्मीकि रामायण और अध्यात्म रामायण में 21 परिक्रमा का उल्लेख है। त्रिसप्तकृत्वोअहमगांप्रदक्षिणविधानतः। (अ.रा./9/11)

त्रिविक्रमे मया तात सशैलवनकानना। त्रिसप्तकृत्वः पृथिवी
परिक्रान्ता प्रदक्षिणम्।।(वाल्मीकि रामायण/66/32)

भारत के बाहर दुनिया के कई देशों में पर्वत, नदी और पवित्र देव स्थानों की परिक्रमा का विधान है। परिक्रमा या प्रदक्षिणा की प्रथा केवल हिंदू धर्म तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य धर्मों में भी यह प्रचलन में है। देव-परिक्रमा (देवता के चारों ओर घुमना या चक्कर लगाना) का विचार भारतीय परंपरा में बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है, परन्तु प्राचीन रोमन (ग्रीको-रोमन) धार्मिक परंपराओं में भी कुछ हद तक इसी प्रकार की क्रियाओं का उल्लेख मिलता है।

प्राचीन रोमन लोग देवताओं की पूजा टेम्पलम (मंदिर) या एरा(वेदी) पर करते थे। वे वेदी के चारों ओर चलते हुए बलि (सेक्रीफीसियम) चढ़ाते थे।बलि चढ़ाते समय पुजारी (पोंटीफेक्स या फ्लेमेन) अक्सर वेदी के चारों ओर घूमकर अनुष्ठान पूरा करता था।कई ग्रंथों (जैसे ओविड की फास्टी तथा वर्जिल की एनिएड) में उल्लेख है कि अनुष्ठान करते समय देवस्थान या वेदी के चारों ओर परिक्रमा की जाती थी। रोमन लोग लारेस और पेनाटेस (गृह देवता) की पूजा करते समय घर के भीतर छोटे वेदी के चारों ओर घूमते थे।

लैटिन में इस क्रिया को सर्कुमेम्बुलेशियो कहा गया है (अर्थ - चारों ओर घूमना)। यह प्रथा केवल देव-वेदी पर ही नहीं, बल्कि अंतिम संस्कार में भी थी। शव या समाधि के चारों ओर घूमकर शुद्धिकरण और आशीर्वाद की कामना की जाती थी।

ग्रीक धर्म (जो रोमनों पर गहरा प्रभाव डालता है) में भी वेदी की परिक्रमा (पेरीफोरा) का उल्लेख मिलता है। सर्कल या घेरकर चलना उनके लिए देवताओं से सुरक्षा और आशीर्वाद पाने का प्रतीक था।

बौद्ध धर्म में पवित्र स्थलों, स्तूपों और मंदिरों की परिक्रमा एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रथा है। उदाहरण के लिए, बोधगया में बौद्ध अनुयायी बोधि वृक्ष और महाबोधि मंदिर की परिक्रमा करते हैं।

इस्लाम में भी परिक्रमा का एक रूप देखने को मिलता है, जिसे तवाफ़ कहते हैं। हज और उमरा के दौरान मुसलमान काबा की सात बार परिक्रमा करते हैं।तवाफ़ का अर्थ है किसी चीज के चारों ओर घूमना या परिक्रमा करना। इस्लाम में, विशेष रूप से हज और उमराह के दौरान, तवाफ़ का अर्थ है पवित्र काबा के चारों ओर सात बार घूमना, घड़ी की विपरीत दिशा में. यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है जो एकता और अल्लाह के प्रति भक्ति का प्रतीक है. तवाफ़ शब्द अरबी शब्द तौफ़ से निकला है, जिसका अर्थ है 'घूमना' या किसी चीज को घेरना। धार्मिक संदर्भ में देखें तो हज और उमराह के दौरान, मुसलमान काबा के चारों ओर घड़ी की विपरीत दिशा में (वामावर्त) सात बार घूमते हैं, जिसे तवाफ़ कहा जाता है। प्रतीकात्मक महत्व के दृष्टिकोण से तवाफ़ एक ईश्वर में विश्वास और एकजुटता का प्रतीक है, क्योंकि सभी भक्त एक ही दिशा में, एक ही गति से, एक ही उद्देश्य के लिए घूमते हैं।

कुछ ईसाई और यहूदी परंपराओं में भी पवित्र स्थलों या धार्मिक महत्व वाले स्थानों की परिक्रमा या जुलूस का चलन है, हालांकि इसका स्वरूप और उद्देश्य भारत की परिक्रमा से भिन्न हो सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि परिक्रमा का मूल विचार, चाहे वह किसी भी धर्म में हो, पवित्रता, सम्मान और भक्ति का प्रदर्शन है। यह अक्सर किसी पवित्र शक्ति के चारों ओर घूमने, उसके आशीर्वाद को ग्रहण करने और आध्यात्मिक शुद्धि प्राप्त करने के रूप में देखा जाता है। काल चक्र का निरन्तर चलते रहना संसार का सबसे बड़ा आश्चर्यजनक सत्य है।

भाजपा की जिला कार्यकारिणी घोषित, नव-नियुक्त जिला पदाधिकारियों की परिचयात्मक बैठक संपन्न

जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन में काम मिलेगा – जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती

धार । भारतीय जनता पार्टी धार की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा रविवार को गई। यह घोषणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल की सहमति से भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती द्वारा जारी सूची के अनुसार संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से अनुभवी, सक्रिय व संगठननिष्ठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिसमे 2 जिला महामंत्री, 7 जिला उपाध्यक्ष, 6 जिला मंत्री समेत 21 भाजपा कार्यकर्ताओं में 5 महिलाओं को जिला टीम में शामिल किया गया। सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में नव-नियुक्त जिला पदाधिकारियों की परिचयात्मक बैठक संपन्न हुई जिसे जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने संबोधित किया।

जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने कहा कि जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ताओ को संगठन में विभिन्न अभियानों में सेवा कार्य करने का मौका मिलेंगा। हम सब भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता है जो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में राष्ट विचारधारा व विकसित भारत के लिए कार्य कर रहे है। मुझे पूरा विश्वास है आप सभी नव-नियुक्त जिला पदाधिकारी अपने पद के प्रति न्याय करते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में धार ,सरदारपुर और बदनावर में भाजपा का कमल खिलाएँगे।

घोषित भाजपा जिला कार्यकारिणी...

- घोषित कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष पद पर अमृत जैन पीथमपुर, रोमा धर्मेंद्र मंडलोई सरदारपुर, प्रेमचंद परमार बदनावर, कपिल निनामा घाटाबिल्लौद , महेश रावला तिरला,श्रीमती राखी राय धार और सुनील मोदी कानवन को नियुक्त किया गया है।
- जिला महामंत्री के रूप में राकेश पटेल सरदारपुर और देवेंद्र सोनोने धार को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं जिला मंत्री पद पर सुभाष जायसवाल पीथमपुर, निर्मला हटिला रिंगनोद कमल यादव अमझेरा, आरती पटेल तिरला, रंजीत भंडारी सागौर और विनीत मंडलोई दिग्ठान को स्थान दिया गया है।
- कोषाध्यक्ष पद पर मोहित तांतेड़ धार नियुक्त किए गए हैं, जबकि सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी कमल वर्मा को सौंपी गई है। कार्यालय संचालन के लिए कार्यालय मंत्री के रूप में मनीष प्रधान धार तथा सह कार्यालय मंत्री के रूप में अनामिका ठाकुर चिराखान की नियुक्ति की गई है।
- जिला मीडिया प्रभारी पद पर संजय शर्मा तथा सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि बदनावर को जिम्मेदारी दी गई है। जिला कार्यकारिणी में कुल 21 पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से 5 महिलाएं शामिल हैं। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

रंग व कुल की महफिल के साथ हजरत मौलाना कमालुद्दीन चिश्ती के सालाना 694वें उर्स का समापन, हजारों अकीदतमंद शामिल हुए

आज रंग है कलाम और सबका भला हो के संदेश के साथ चार दिवसीय उर्स संपन्न हुआ

धार। प्रसिद्ध और ऐतिहासिक हजरत मौलाना कमालुद्दीन चिश्ती के सालाना 694 वें उर्स का समापन सोमवार सुबह बाबा के आस्ताने आलिया के सामने रंग और कुल की महफिल व फातेहा के साथ हुआ। रविवार की रात हजारों की संख्या में मौजूद अकीदतमंदों को देश के प्रसिद्ध कव्वाल जावेद हुसैन मुकर्रम वारसी जुनैद सुल्तानी अतीक हुसैन बंदनवाजी ने अपने कलाम सुनाए। धार जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी , संगठन मंत्री परितोष सिंह बंजी बना ,आशिक पठान, सतपाल सिंह बरनाला सहित उज्जैन महांकाल से आए राजू महाराज व सहित अन्य साधु संत मुख्य अतिथि के रूप में पधारे।

कल सुबह नो बजे से रंग की महफिल की शुरुआत हुई जिसमें आस्ताने के पगडीबंद कव्वाल नाहर खां शमशेर खां निसार खा कव्वाल ने अपने कलाम पेश किए उनके बाद शाहिद सलाम कव्वाल यूसुफ फारूक कव्वाल महमूद तालिब कव्वाल जावेद हुसैन कव्वाल रामपुर मुकर्रम वारसी कव्वाल भोपाल अतीक हुसैन बंदनवाजी हैदराबाद व जुनैद सुल्तानी कव्वाल बदायूं ने रंग की महफिल में शानदार कलाम पेश किए अंत मे सभी कव्वालों ने मिलकर रंग पढ़ा। दरगाह के खादिम शेख मोइनुद्दीन भुरू बाबा ओर काजी निजामुद्दीन ने शजरा पढ़ा और उर्स कमेटी के पदाधिकारियों का दस्तारबंदी कर इस्तकबाल किया वही चौधरी उस्मान पीर और मो.फारूक ने भी उर्स कमेटी मेम्बर ओर सूफी संतों का इस्तकबाल किया। उर्स कमेटी की और से खादिम परिवार का इस्तकबाल किया गया।

उर्स कमेटी अध्यक्ष सुहेल निसार ओर पूरी कमेटी ने उर्स में 18 घंटे से ज्यादा ड्यूटी करने वाले पुलिस अधिकारियों का आभार जताते हुए सम्मान किया। उर्स कमेटी ने डीएसपी आनंद तिवारी, एसडीओपी सरदारपुर विश्वदीप सिंह परिहार, कोतवाली टीआई दीपक सिंह चौहान, राजगढ़ टीआई समीर पाटीदार, ट्रैफिक इंचार्ज रोहित निक्कम का दस्तार बांध व शील्ड देकर सम्मान किया। इस दौरान देश प्रदेश और धार में अमन-चैन भाईचारे और खुशहाली की दुआ की गई। इस अवसर पर उर्स कमेटी सदर सुहेल निसार, इफ्तेखार उद्दीन ,कारी रफीउद्दीन, सैयद जावेद अंजुम ,खुसरो निसार अब्दुल सलाम, नवाब खान, विक्की सैयद रहमान बेग मो.रफीक हबीबउल्लाह खान मोनू बाबर नदीम कुरैशी कमालुद्दीन एडवोकेट फैजान शेख सुहेल बागवान कलीम मो.बख्तियार अहमद नाजिम शेख शफीक मंसूरी गुलरेज मंसूरी साबिर खान एफएम सहित कमेटी पदाधिकारी सूफी संत और मेहमान मौजूद रहे।

धार का नाम देश व प्रदेश में रोशन करने वाली सुश्री अमृता जोशी मध्यप्रदेश रत्न अलंकरण अवॉर्ड से सम्मानित

धार। धार का नाम देश व प्रदेश में रोशन करने वाली सुश्री अमृता जोशी मध्यप्रदेश रत्न अलंकरण अवार्ड से सम्मानित । वर्तमान में मुंबई में कार्यरत प्रसिद्ध नृत्यांगना व कोरियोग्राफर अमृता जोशी को रविंद्र भवन भोपाल में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर के मुख्य आतिथ्य व न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल की अध्यक्षता में महामंडलेश्वर शैलेश स्वरानंद महाराज जूना अखाड़ा के विशेष आतिथ्य में सम्मानित किया गया। विभिन्न विधाओं में प्रदेश का नाम देश में रोशन करने वाली हस्तिओं को सम्मानित किया गया । पद्मश्री सुशील दोषी, वरिष्ठ पत्रकार जयदीप कर्णिक, दिनेश गौतम, कलपानी कोमकली, प्रोड्यूसर देवेंद्र मालवीय,फैशन डिजाइनर मुमताज खान ,प्रतिश मेहता टीवी पत्रकार दिनेश गौतम और न्यूज़ एडिटर सोनल भारद्वाज को भी सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश प्रेस क्लब का प्रतिष्ठित सारस्वत आयोजन था।

इस अवसर पर अध्यक्ष नवीन आनंद जोशी व वरिष्ठ पत्रकार विनोद नगर व अन्य हस्तियां मौजूद थी।

संजय शर्मा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला धार की नई कार्यकारिणी की घोषणा हुई । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल की सहमति से भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती द्वारा पत्रकार संजय शर्मा को पुनः भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया यह घोषणा रविवार को जिला टीम के साथ की गई है। संजय शर्मा विगत चार वर्षो से जिला मीडिया प्रभारी पद पर कार्य कर रहें है। इसके पूर्व भाजपा किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी भी रह चुके है। संजय शर्मा के भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त होने पर जिलाध्यक्ष महंत भारती जिला पदाधिकारियों समेत भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

क्रांति कुमार त्रिवेदी का निधन, अंत्येष्टि आज

बैतूल। अधिवक्ता स्वदेश त्रिवेदी के बड़े भाई, सिविल इंजीनियर राकेश त्रिवेदी, शिक्षक जयेश त्रिवेदी के पिता एवं कांग्रेस नेता सोमेश त्रिवेदी के बड़े पिता जी क्रांति कुमार त्रिवेदी (86) का सोमवार को निधन हो गया। वे अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा आज मंगलवार को उनके अष्टविनायक कालोनी, रानीपुर रोड, गौठाना, बैतूल स्थित निज निवास से प्रातः 10 बजे निकाली जाएगी। अंतिम संस्कार कोठीबाजार मोक्षधाम में किया जाएगा। क्रांति कुमार त्रिवेदी के निधन पर जिले के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, चिकित्सकों, सामाजिक बंधुओं, ईष्टमित्रों, शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है।

जिले की निकायों में 405 पीएम आवास अधूरे, सारणी में अंडर कंट्रक्शन मल्टी स्टोरी

31 दिसंबर तक पीएम आवास का काम पूरा नहीं कराया तो होगी कार्रवाही

संजय द्विवेदी

बैतूल। पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 का क्रियान्वयन वैसे तो मार्च 2025 में पूर्ण हो चुका है, लेकिन सरकार ने अधूरे आवास को पूर्ण करने के लिए 31 दिसंबर तक की डेडलाइन दी थी। जिसके बाद पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। केवल पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 लागू रहेगी, जिसके लिए वर्तमान में नए आवेदन लिए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि प्रथम चरण में स्वीकृत और अधूरे मकान समय पर पूरे हो जाएं, ताकि योजना की साख बनी रहे। इसी उद्देश्य को लेकर केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा था कि 31 दिसंबर 2025 तक हर हाल में अधूरे आवास पूर्ण कराये जाये, लेकिन जिले की निकायों में अभी भी 405 पीएम आवास अधूरे है। इन आवासों के अधूरे होने के पीछे हितग्राहियों की ही लापरवाही बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हितग्राहियों ने शासन से मिलने वाली राशि तो ले ली, लेकिन नियमानुसार निर्माण नहीं किया। जिसकी वजह से उनकी अगली किस्त नहीं आई। अब 31 दिसंबर तक आवास पूर्ण नहीं हुए तो सरकार से मिलने वाले निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाही की होगी या ऐसे हितग्राहियों पर रिकवरी, बैंक खाते सीज करने तथा कुर्की जैसी कार्रवाही भी हो सकती है।

8875 आवास स्वीकृत, 8470 पूर्ण – जिले की 10 नगरपालिका और नगर परिषद में से 9 नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के तहत 8875 आवास स्वीकृत हुए थे, जिसमें से 8470 आवास पूर्ण हो गये, वहीं 405 आवास अभी भी किस्त न मिलने सहित अन्य कारणों से अधूरे पड़े है।वहीं सारणी नगरपालिका में पीएम आवास के तहत मोरडोंगरी रोड वार्ड नंबर एक में पीएम आवास की मल्टी स्टोरी (एएचपी) बनाई जा रही है। जिसमें करीब 456 प्लैट बन रहे है। इनका काम अभी पूर्ण नहीं हुआ है। नगरपालिका सारणी के श्री वराठे ने बताया कि फिनिशिंग का काम चल रहा है। कोरोना काल सहित रिवाइस के कारण निर्माण में देरी हुई है। उम्मीद है कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक मल्टी स्टोरी बनकर तैयार हो जायेगी।

जिले में 405 पीएम आवास अपूर्ण – जिले की निकायों में पीएम आवास योजना के तहत पक्के मकान स्वीकृत हुए थे। जिसमें से 405 आवास अभी अपूर्ण है। बताया जा रहा है कि सबसे अधिक अपूर्ण मकान चिचोली नगर परिषद में है। यहां 115 आवास अपूर्ण है, जबकि आमला और घोड़ाडोंगरी निकाय में मात्र 11-11 आवास ऐसे है, जो पूरे नहीं हुए है। इसके अलावा आठनेर में 54 आवास, बैतूल 48, बैतूल बाजार 66, भैंसदेही 49, मुलताई 19, शाहपुर 32 आवास अपूर्ण है। बता दे कि पीएम आवास योजना के तहत नगरीय निकाय में ढाई लाख रुपए की सहायता राशि दी जाती है, ताकि कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों का अपना घर का सपना साकार हो सके। लेकिन पीएम आवास के प्रकरण स्वीकृत होने के बाद कई हितग्राहियों ने आवास निर्माण न कराकर आवास की पहली किस्त या दूसरी किस्त अन्य कार्यों में खर्च कर दी। जिससे आवास पूर्ण नहीं हो पाये। अब शासन ने ऐसे हितग्राहियों से राशि की वसूली का आदेश दिया है।

बैतूल नपा में 7 हितग्राहियों से 6.10 लाख की रिकवरी – बताया जा रहा है कि नगरपालिका बैतूल के अंतर्गत 24 ऐसे हितग्राही थे, जिन्होंने पीएम आवास की राशि तो ले ली, लेकिन आवास नहीं बनाये। इनमें से 7 हितग्राहियों से 6.10 लाख हजार की राशि वसूली की जा चुका है, वहीं शेष हितग्राहियों को राशि के लिए नोटिस जारी किये है। इन हितग्राहियों से कुल 13.90 लाख रूपये की राशि वसूल की जानी है। वहीं जिले में करीब 178 हितग्राही है, जिनसे राशि की वसूली होना है। बताया जा रहा है कि जनवरी से आवास 2.0 योजना शुरू हो जायेगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन बुलाए जा रहे है। आवेदन के सत्यापन के बाद ही राशि खातों में जारी की जा रही है, ताकि पात्र हितग्राही को इसका लाभ मिल सके।

जिले की निकायों में पीएम आवास की स्थिति

निकाय	स्वीकृत	पूर्ण	अपूर्ण
आमला	553	542	11
आठनेर	1151	1097	54
बैतूल	2745	2697	48
बैतूलबाजार	838	772	66
भैंसदेही	1017	968	49
चिचोली	1001	886	115
घोड़ाडोंगरी	231	220	11
मुलताई	981	962	19
शाहपुर	358	326	32

(उपरोक्त आंकड़े प्राप्त जानकारी के अनुसार)

इनका कहना है – पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 की अवधि मार्च 2025 में ही खत्म हो गई थी, लेकिन जो आवास अपूर्ण थे, उन्हें पूर्ण करने के लिए सरकार द्वारा 31 दिसंबर तक की अवधि का समय दिया था। जिन्होंने राशि लेने के बाद भी निर्माण नहीं किया है उनके खिलाफ आरआरसी करवाई है। वसूली की जा रही है। तहसीलदार के माध्यम से पत्र भेजे गये है। 31 दिसंबर तक जिन्होंने प्राप्त किस्त के अनुसार कार्य नहीं किया है, उनसे वसूली की जायेगी। खाते सीज करने, संपत्ति कुर्की जैसी कार्रवाही भी हो सकती है।

– सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

साइबर ठगी व अवैध ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क का बड़ा खुलासा

फर्जी फर्म के जरिए खाते उपलब्ध कराने वाला, सिम बेचने वाला व अकाउंट खरीदने वाला गिरफ्तार

बैतूल। बैतूल जिले में सामने आए अब तक के सबसे बड़े संगठित साइबर ठगी एवं अवैध ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क के प्रकरण में बैतूल पुलिस ने निरंतर कार्रवाई करते हुए फर्जी फर्म, म्यूल खातों, अवैध सिम बिक्री एवं अकाउंट खरीद-फरोख्त की पूरी श्रृंखला का खुलासा किया है। 14 दिसंबर को की गई कार्रवाई में 3 अतिरिक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकरण में अब तक 9.84 करोड़ से अधिक के अवैध ऑनलाइन लेन-देन का खुलासा हो चुका है, जबकि एक म्यूल खाते में सात माह के भीतर 10 करोड़ से अधिक का ट्रांजैक्शन पाया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के निर्देशन में गठित साइबर सेल एवं विशेष एसआईटी टीम द्वारा की गई है। सोमवार को कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रकरण में अब तक कुल 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पूर्व में 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, वहीं तीन आरोपियों को 14 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया है। श्री जैन ने बताया कि 20 नवंबर को प्रथम बड़ी कार्रवाई करते हुए राजा उर्फ आयुष चौहान, अंकित राजपूत और नरेंद्र सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया था, वहीं 07 दिसंबर को अमित अग्रवाल (इंदौर से गिरफ्तार) किया गया। 11 दिसंबर को राजेन्द्र राजपूत (पूर्व में फरार) ब्रजेश महाजन की गिरफ्तारी हुई। 14 दिसंबर को अश्विन धर्मवाल (खंडवा से), प्रवीण जयसवाल (खंडवा से) और पीयूष राठौड़ को बैतूल से गिरफ्तार किया है। प्रकरण में गिरफ्तार सभी आरोपियों से एक-एक मोबाइल फोन जप्त किया गया है, जिनमें अवैध लेन-देन, संपर्क सूत्र एवं डिजिटल साक्ष्य पाए गए हैं। जप्त सामग्री को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है। श्री जैन ने बताया कि जप्त डिजिटल उपकरणों का गहन फॉरेंसिक विश्लेषण, अवैध ऑनलाइन बेटिंग व साइबर ठगी की मनी-ट्रेल की विस्तृत जांच और नेटवर्क से जुड़े अन्य फरार एवं सहयोगी आरोपियों की तलाश जारी है।

संभागायुक्त ने चिचोली में विशेष गहन पुनरीक्षण का किया निरीक्षण

बैतूल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत सोमवार को संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने बैतूल जिले की विधानसभा 132 घोड़ाडोंगरी के मतदान केंद्रों पर फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण कर समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान विधानसभा क्षेत्र 132-घोड़ाडोंगरी में उप जिला निर्वाचन अधिकारी से चल रहे पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र 132-घोड़ाडोंगरी के मतदान केंद्र क्रमांक 274 एवं 278 का भ्रमण कर संबंधित बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर भाजपा ने अर्पित किए श्रृद्धासुमन

देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए समर्पित किया जीवनः कृष्णा गायकी

बैतूल। लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में भाजपा परिवार ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्णा गायकी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकसूत्र में पिरोने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। श्री गायकी ने कहा कि सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता का प्रतीक और आधुनिक भारत के शिल्पकार रहे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने खंड-खंड में बँटे आजाद भारत को तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एकीकृत कर मजबूत राष्ट्र का रूप दिया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुण्डे, जिला कोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, वरिष्ठ भाजपा नेता अरूण श्रीवास्तव, कैलाश धोटे, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, कुण्लिक डागें, संजू सोलंकी, ममता मालवी, अनूज आर्य सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने नेहरू पार्क चौपाटी का किया निरीक्षण

संभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से की खाद्य पदार्थ की जांच

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघन जांच एवं नमूने लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में 15 दिसंबर को नेहरू पार्क स्थित चौपाटी पर चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटील ने संभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला के केमिस्ट हेमंत कीर, सहायक योगेश दिवगाया व बृजेश पटेल के साथ 11 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 30 नमूने एकत्र किए, जिसकी जांच चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से की जा रही है। लिए गए नमूने फेल होने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य विभाग की टीम ने सभी खाद्य कारोबार कर्ताओं को अपने परिसर में साफ-सफाई रखने और खराब पानी को परिसर के सामने नहीं फेंकने की समझाइश दी। इसके अलावा खाद्य पदार्थ बनाते समय केप व एप्रेन का उपयोग करने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कोई भी आम व्यक्ति चलित खाद्य प्रयोगशाला में 10 रुपए का चालान जमा कर किसी भी खाद्य पदार्थ की जांच करा सकता है। चलित खाद्य प्रयोगशाला 15 दिसंबर से 19 दिसंबर 2025 तक बैतूल जिले में भ्रमण करेगी। यह कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने पर प्रभारी मंत्री ने दी प्रदेश और जिले की उपलब्धियों की जानकारी

मख्यमंत्री डॉ यादव ने लिया है आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के रूप में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प : प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर पिछड़ा वर्ग मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर द्वारा सीहोर में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार को 02 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इन 02 वर्षों में मुख्यमंत्री डॉ यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने विकास और तरक्की के कई कीर्तिमान स्थापित किए है। उन्होंने कहा कि आज सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण समाज की अंतिम पंक्ति में बैठा व्यक्ति भी सरकार की कार्यदक्षता की धुरी बना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत की जिस परिकल्पना को साकार करने का संकल्प लिया है, हमारा मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के रूप में उस परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर अग्रसर है। इन दो वर्षों में प्रदेश ने लगभग हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस प्रगति का श्रेय सबसे पहले यदि किसी को दिया जाए, तो वह हमारे प्रदेश की जागरूक जनता और जनता के विश्वास को दिया जाता है।

प्रदेश सरकार की 02 वर्ष की उपलब्धियां

मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने प्रदेश सरकार की विगत दो वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने ÷आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश÷ के लक्ष्य की दिशा में ठोस और परिणामकारी कदम उठाए हैं। वर्ष 2025 को ÷उद्योग एवं रोजगार वर्ष÷ के रूप में मनाते हुए प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति दी गई। इस अवधि में 18 नई औद्योगिक नीतियों को मंजूरी दी गई और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट व अन्य माध्यमों से 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 8.57 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतारे जा चुके हैं। निवेश को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए एमपी इन्वेस्ट पोर्टल 3.0 लॉन्च किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया गया, जिससे 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन और 6 लाख कपास उत्पादकों को लाभ मिलेगा। औद्योगिक विकास के अंतर्गत 881 इकाइयों को भूमि आवंटन, 281 इकाइयों का भूमिपूजन और 141 इकाइयों का शुभारंभ किया गया, साथ ही 26 नए औद्योगिक पार्क एवं क्लस्टर स्वीकृत किए गए।

गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश सरकार ने गरीब कल्याण मिशन की शुरुआत की। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दो वर्षों में 5.25 करोड़ से अधिक हितग्राहियों को 19,935 करोड़ रुपये मूल्य का निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया। स्वामित्व योजना के माध्यम से लगभग 39 लाख 60 हजार से अधिक नागरिकों को स्वामित्व अधिकार पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अंतर्गत 6 लाख 81 हजार से अधिक प्रकरणों में 6,430 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि अंतरित की गई, जबकि इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4,800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिए 40,804 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23.4 प्रतिशत अधिक है। तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक 3,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 21 जिलों में 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रारंभ की गई और लगभग 50 हजार आवास पूर्ण किए गए। जनजातीय विद्यार्थियों को वर्ष 2023-24 में प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत 505.66 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में लाड़ली बहना योजना की राशि 1,250 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रतिमाह की गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत 9.70 लाख गर्भवती महिलाओं को 512 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया। 12,670 मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी में उन्नत किया गया और 747 नए आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 5 लाख समूहों से जुड़ी 62 लाख ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। किसान कल्याण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश दलहन, तिलहन, मक्का और टमाटर उत्पादन में देश में प्रथम तथा गेहूं उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावांतर योजना के अंतर्गत 2 लाख 67 हजार किसानों के खातों में 482 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसानों के खातों में 48 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंचाई गई। वर्ष 2024-25 में 35 लाख 3 हजार किसानों को 21,232 करोड़ रुपये का फसल ऋण वितरित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम के तहत स्वच्छता साथियों को दिया गया प्रशिक्षण

सीहोर (निप्र)। सीहोर जनपद की ग्राम पंचायत थूना कला में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई पहल 'वॉश ऑन व्हील्स' सेवा के तहत विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान क्लस्टर की 11 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और स्वच्छता साथियों को डब्ल्यूओडब्ल्यू ऐप के माध्यम से किट का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को किट के उपयोग, ऐप संचालन, स्वच्छता गतिविधियों के दस्तावेजीकरण तथा ग्राम स्तरीय स्वच्छता प्रबंधन के आधुनिक तरीकों से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि वॉश ऑन व्हील्स ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवहार में सुधार लाने के उद्देश्य से शासन द्वारा प्रारम्भ की गई एक नवाचारपूर्ण सेवा है। इसके अंतर्गत विशेष वाहनों के माध्यम से गाँव-गाँव जाकर लोगों को स्वच्छता, ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ जल उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता, हैंडवॉशिंग, और शौचालय उपयोग जैसे विषयों पर सीधे संवाद एवं प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही स्वच्छता साथी सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई का कार्य भी कर रहे हैं।

भावांतर योजना के सुचारू संचालन के उद्देश्य से अपर कलेक्टर ने किया अहमदपुर कृषि उपज उप मंडी का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। भावांतर योजना के तहत किसानों से सोयाबीन की खरीदी को पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित कराने के उद्देश्य से अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने जिले की अहमदपुर कृषि उपज उपमंडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सोयाबीन खरीदी की पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की और किसी भी प्रकार की अनियमितता न होने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने उपमंडी में मौजूद व्यापारियों के गोदामों का भी औचक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य अभिलेखों का मिलान कर जानकारी की सत्यता परखी। उन्होंने बैठक आयोजित कर स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना में पंजीकृत किसानों को ही भावांतर योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए और उनका सोयाबीन नियमानुसार खरीदा जाए। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि खरीदी प्रांगण में किसानों को किसी प्रकार की समस्या न आए, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से बनाए रखें। उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी रखकर प्रत्येक पात्र किसान को उसका सही लाभ दिलाना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान अंतर्गत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खामखेड़ा एवं शासकीय हाई स्कूल करैयाहाट व छीरखेड़ा हाई स्कूल में विद्यालय स्तर पर बाल विवाह रोकथाम के कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाल विवाह रोकथाम प्रभारी श्री मुकेश ताम्रकार द्वारा स्कूली बच्चों को बाल विवाह रोकथाम के उपाय, विभिन्न हेल्पलाइनों की उपयोगिता व महत्व की जानकारी एवं बाल अधिकारों की विस्तृत जानकारी स्कूली बच्चों को दी गई। स्कूली प्रांगण में बच्चों को बाल विवाह रोकथाम की सामूहिक शपथ दिलाई गई 100 दिवसीय अभियान की उपयोगिता की जानकारी दी गई। बालिका शिक्षा एवं महत्व के बारे में बताया गया। बच्चों द्वारा बाल विवाह रोकथाम संबंधी प्रश्न पूछे गए जिनके उत्तर श्री मुकेश ताम्रकार द्वारा दिए गए। कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खामखेड़ा के प्राचार्य श्री मनोज ठाकुर, श्रीमती अल्पना डोंगरे ,श्रीमती सीमा सेन ,श्री प्रियम जैन ,शासकीय हाई स्कूल करैयाहाट में श्री राजकुमार चैहान कल्याण सिंह मेहर श्रीमती रीना राय सीमा मीना शीतल रजक कैलाश शाक्य जितेंद्र राजपूत एवं शासकीय हाई स्कूल छीरखेड़ा का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

आदिवासियों के मकान तोड़ने के विरोध में किया कलेक्ट्रेट गेट का घेराव

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक के ग्राम टांगना में आदिवासियों के मकान तोड़ने के विरोध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट गेट का घेराव हुआ। करीब ढ़ाई घंटे तक प्रशासन से न्याय व पुनर्वास की उम्मीद में आदिवासी महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चें कलेक्ट्रेट गेट पर बैठे रहे। प्रदर्शन की वजह से लोगों को आने-जाने में अधिकारी-कर्मचारी और आम लोगों को परेशानी हुई।

कलेक्ट्रेट के पीछे वाला गेट खोलकर लोगों और कर्मचारियों की आवाजाही कराई गई। इधर, महिला पुरुष ने मकान तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने और नया मकान बनाकर देने की मांग की। दोपहर 3 बजे से 5.30 बजे तक सभी आदिवासी कलेक्ट्रेट गेट को घेरकर बैठे रहे। इस बीच गेट पूरी तरह से बंद रहा। भारी पुलिस फोर्स के साथ बेरिकेडिंग की गई। सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, तहसीलदार सरिता मालवीय, कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने लोगों को मनाने की कोशिश की लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए। पीड़ित एक बच्ची ने रोते हुए कहा कि पुलिस और सरपंच ने हमारे मकान जेसीबी से ढहा दिए हमें बेघर किया गया। अब हम कड़कड़ाती ठंड में खुले में रहने को मजबूर है।

जमीनी विवाद में कोर्ट के आदेश पर ढहाए मकान

जमीन के पारिवारिक विवाद के मामले में कोर्ट के आदेश पर प्रशासन द्वारा पांच मकानों को हटाया। कार्रवाई में आदिवासी गरीब परिवारों के मकान टूट गए जिससे परिवारों का पूरा सामान मलबे के नीचे दब गया। कड़कड़ाती ठंड में छोटे-छोटे बच्चों सहित पूरा परिवार रातभर खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर हो गए है। पीड़ित परिवार की मनोता बाई कलमे, किसानलाल कलमे, अभेराम दास कलमे, रामदास कलमे का कहना है कि उन्हें किसी भी प्रकार का नोटिस नहीं दिया गया, अचानक प्रशासनिक दल पहुंचा और घर तोड़ना शुरू कर दिया। परिवारों ने बताया कि आटा, अनाज, कपड़े, गेहूं, मक्का, आधार कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज तक बाहर निकालने नहीं दिए, जिससे सब मलबे में दब गया। पीड़ित परिवार अपनी समस्या लेकर एसडीएम से मिलने पहुंचे। पीड़ित परिवारों का कहना है कि वे तीन पीढ़ियों से यहां रह रहे हैं।

अनुसूचित जाति के कृषकों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा यह आयोजन: केन्द्रीय कृषि मंत्री

रायसेन (निप्र)। भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई), करनाल द्वारा भारत सरकार की 'अनुसूचित जाति उप-योजना' के अंतर्गत मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के सांची ब्लॉक स्थित ग्राम भगवानपुरा में एकदिवसीय 'विशाल किसान संगोष्ठी, प्रदर्शनी एवं आदान वितरण समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार तथा पशुपालन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने संस्थान द्वारा ग्रामीण परिवेश में वैज्ञानिक तकनीक पहुँचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के किसानों के भविष्य को बदलने वाली एक युगांतरकारी पहल बताया। इस किसान संगोष्ठी, प्रदर्शनी एवं आदान वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन रायसेन के भगवंतपुरा गांव में एनडीआरआई संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन और पशुपालन विभाग रायसेन के संयुक्त सहयोग से किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, एशिया में डेरी एवं पशुपालन के क्षेत्र का एक उत्कृष्ट और अग्रणी संस्थान है। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा भगवंतपुरा गांव में उन्नत पशुधन उत्पादन, प्रबंधन, डेरी प्रोसेसिंग और मूल्य संवर्धन की तकनीकों को प्रशिक्षण और प्रदर्शन के माध्यम से जमीनी स्तर पर उतारने के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। श्री चौहान ने जोर देकर कहा कि आज का यह आयोजन अनुसूचित जाति के कृषकों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने संस्थान के निदेशक और वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि वे इस क्षेत्र के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें, ताकि इन प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो और अधिक से अधिक पशुपालक वैज्ञानिक विधियों से लाभान्वित हो सकें।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर किया गया 552 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के तहत जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। जिले में आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 412 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 140 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समीक्षा बैठक का आयोजन

दो बीएमओ, दो बीपीएम एवं दो बीसीएम को जारी किए कारण बताओ नोटिस

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में जिला ओआईसी डॉ. अश्विनी भागवत एनएचएम भोपाल उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक लेकर समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एएनसी पंजीयन सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि एएनसी पंजीयन की उपलब्धि कम से कम पिछले वर्ष की उपलब्धि के बराबर अनिवार्य रूप से होना चाहिए। साथ ही दिये गये लक्ष्य की उपलब्धि भी शत प्रतिशत प्राप्त करें। उन्होंने कम उपलब्धि वाले विकासखंड मुलताई एवं घोड़ाडोंगरी के बीएमओ, बीपीएम एवं बीसीएम को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये एवं जिला स्तर से प्रतिदिन एएनसी पंजीयन की समीक्षा करने के निर्देश दिये।

मॉडरेट एनीमिया अंतर्गत प्रबंधन में कम उपलब्धि पाए जाने पर निर्देश दिए की बीएमओ अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से पूर्ण दक्षता के साथ कार्य लेवे। उनकी समीक्षा करें कार्य न करने पर उन पर कार्यवाही करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने इस संबंध में सभी बीएमओ को निर्देश दिए कि सीएचओ एवं एएनएम को इस कार्य में लगाए। गर्भवती महिलाओं की प्रथम त्रैमास में ही अनिवार्य रूप से सिकल सेल स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिये गये। पेंटा वैक्सीन कवरेज बैतूल ग्रामीण, भैंसदेही, घोड़ाडोंगरी, मुलताई, प्रभातपट्टन एवं शाहपूर को शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विकासखण्ड अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्रवार उपलब्धि की समीक्षा की जाए, वहां जाकर देखे कि क्या समस्या है। शिशु मृत्यु वर्बल अटॉप्सी को 15 दिवसों में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी से समन्वय बनाकर एनआरसी में भर्ती एवं सेम वाले बच्चों को सेवाएं देने के निर्देश दिये। एसएनसीयू चिकित्सक को निर्देश दिये की एसएनसीयू से डिस्चार्ज बच्चों की सूची बीएमओं एवं बीपीएम ग्रुप में शेयर करें। क्षेत्र से बच्चों को रेफर करने से पहले जिला एसएनसीयू प्रभारी चिकित्सक से दूरभाष से बात कर ले। आरबीएसके चिकित्सक के लिए निर्देश दिये की जिस क्षेत्र में टीम जा रही है वहां पूर्व से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को पूर्व से सूचना दे। सेहरा विकासखण्ड में टीबी, एक्स-रे की कम उपलब्धि पर टेक्नीशियन को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

गैर मान्यता धारी/ झोलाछाप डॉक्टर्स पर की कार्यवाही, चार क्लीनिक सील

हरदा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह से प्राप्त जानकारी अनुसार स्वास्थ्य विभाग के दल ने शुक्रवार को नियमानुसार पंजीयन न होने एवं अपात्र व्यक्तियों द्वारा एलोपैथी की औषधियों का उपयोग करने तथा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के उपयोग करने पर जिले की चार गैर मान्यताधारी क्लीनिक को सील करने की कार्यवाही की है। इस दौरान जानिब खान के द्वारा जहान मेडिकोज खेडीपुरा के अंदर छोटे से रूम में मरीजों को इंजेक्शन बॉटल लगाई गई, जिनके खाली रेपर टीम के द्वारा निरीक्षण के दौरान जप्त किये गये। जानिब खान से पंजीयन के दस्तावेज मांगे जाने पर वैध दस्तावेज उपलब्ध नही कराये गये। जिस पर कार्यवाही करते हुए टीम के द्वारा जानिब खान की क्लीनिक को सील किया गया। टीम के द्वारा ग्राम छिदगांव मेल में टी.के. बिस्वास के क्लीनिक का निरीक्षण के दौरान क्लीनिक मे छगनलाल पिता कृष्णा ग्राम बघवाड को सीने में दर्द होने पर बॉटल चड़ाई गई थी। टीम द्वारा पंजीयन के दस्तावेज मांगे जाने पर वैध दस्तावेज उपलब्ध नही कराये गये एवं क्लीनिक छोड़कर भाग गये। ग्रामीणों के समक्ष क्लीनिक को सील किया गया। इसी प्रकार एन.सी मंडल दवाखाना छिदगांवमेल के निरीक्षण के दौरान संबंधित से पंजीयन के दस्तावेज मांगे जाने पर वैध दस्तावेज उपलब्ध नही कराये गये, जिस पर कार्यवाही करते हुए टीम के द्वारा एन.सी.मंडल के क्लीनिक को सील किया गया।

खेल से केवल शारीरिक विकास नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और टीम भावना भी होती है विकसित: सांसद श्री शर्मा

सांसद श्री आलोक शर्मा सीहोर में सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित खेल प्रतियोगिता में हुए शामिल

सीहोर(निप्र)। सीहोर के आवासीय खेल परिसर में सांसद खेल महोत्सव के तहत मंडल स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर कार्यक्रम भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा शामिल हुए और रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में युवाओं के साथ रस्सी खीचकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उन्हें खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं है, बल्कि यह युवाओं में छिपी प्रतिभा को पहचानने, निखारने और उन्हें सकारात्मक दिशा देने का एक सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में खेलों को प्रोत्साहन देने तथा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में यह महोत्सव एक महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीण अंचलों से निकलकर आए प्रतिभाशाली खिलाड़ी आज अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं और यही युवा भविष्य में जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, समर्पण, टीम भावना और संघर्ष की सीख भी देता है। मैदान पर जीत और हार दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि असली सफलता आत्मविश्वास और खेल भावना को बनाए रखने में है। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन ग्रामीण खेल संस्कृति को सशक्त बनाते हैं और युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे प्रयासों से हर युवा अपनी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है और खेल के माध्यम से एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री सीताराम यादव, श्री गौरव सन्नी महाजन, श्री सुदीप प्रजापति, श्री राजकुमार गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, आवासीय प्राचार्य श्री आलोक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और युवा खिलाड़ी उपस्थित थे।

जन्मदिन मनाने गई थी बेटी मां ने किया सुसाइड

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम शहर के अमरचौक इलाके में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब एक 40 वर्षीय महिला गीता गोस्वामी का शव घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब मृतका की बेटी दोपहर लगभग 12 बजे घर पहुंची और उसने अपनी मां को फंदे पर लटका देखा। घबराई हुई बेटी ने तुरंत पड़ोसियों और परिचितों को सूचना दी। सूचना मिलते ही मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। कोतवाली थाना पुलिस टीम पहुंचती उससे पहले ही परिजनों ने शव को नीचे उतार दिया था। कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। जानकारी के अनुसार, मृतका गीता गोस्वामी अपनी बेटी के साथ किराए के मकान में रहती थी। एक दिन पहले ही उसकी बेटी का जन्मदिन था। जन्मदिन मनाने के लिए बेटी अपनी नानी के घर चली गई थी और महिला रातभर घर पर अकेली थी।

नक्सल-मुक्त मध्यप्रदेश अब विकास को मिलेगी नई रफ्तार : मुख्यमंत्री

● केंद्र की तय डेडलाइन से पहले ही मध्यप्रदेश की भूमि से नक्सलियों का हुआ सफाया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने लगभग 35 साल नक्सलवाद का दंश झेला। यह एक बड़ी चुनौती थी, पर राज्य सरकार की पुनर्वास नीति और नक्सल विरोधी अभियान में शामिल जवानों की प्रतिबद्धता से 11 दिसंबर 2025 को नक्सलवाद प्रदेश के नक्शे से पूरी तरह मिटा दिया गया। यह दिन प्रदेश में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश की धरती से नक्सलवाद को समूल खत्म करना हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। नक्सलवाद और लाल आतंक देश के हर हिस्से में विकास आधारित गतिविधियों में बाधक था। इससे आम नागरिकों में इसके कारण भय का माहौल होता था। ऐसे में नक्सलियों और नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही। पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों ने बालाघाट में अंतिम दो नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराया और मध्यप्रदेश ने लाल सलाम को आखिरी सलाम कर दिया। अब इससे प्रभावित क्षेत्रों में विकास को एक नई दिशा और एक नई रफ्तार मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में विकास को गति देने के लिए मध्यप्रदेश में दशकों से चली आ रही नक्सलवाद की समस्या से खत्म करना अति आवश्यक था। मध्यप्रदेश ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह द्वारा देश से नक्सलवाद के खात्मे के लिए तय डेडलाइन से करीब साढ़े तीन महीने पहले ही यह ऐतिहासिल उपलब्धि हासिल कर ली है। नक्सलवादियों के एमएमसी जोन (महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) में 42 दिन में 42 नक्सलवादियों ने समर्पण कर विकास की धारा से जुड़ना स्वीकार किया है। वहीं, प्रदेश में वर्ष 2025 में 10 हार्डकोर माओवादियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सफलता का श्रेय राज्य के बहादुर पुलिस अधिकारी और केंद्रीय सुरक्षाबलों को दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों के पुनर्वास के लिए विशेष योजना बनाई है।

नक्सलवाद उन्मूलन अभियान के कुछ प्रमुख तथ्य

- मध्यप्रदेश में वर्ष 1988 से 1990 के बीच नक्सल गतिविधियों की शुरुआत हुई थी। प्रदेश में मंडला, डिंडौरी और बालाघाट नक्सल प्रभावित जिले रहे।
- राज्य सरकार ने नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मंडला और डिंडौरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के 850 पद स्वीकृत किए।
- नक्सलियों को हथियार डालकर जीवन से जुड़ने का अवसर देने के लिए राज्य सरकार ने पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान प्रारंभ किया।
- सरकार की इसी पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर दिसंबर 2025 में करीब 2.36 करोड़ रुपए की इनामी राशि वाले 10 नक्सलियों ने पुलिस लाईन, बालाघाट में सरेंडर कर दिया।
- 11 दिसंबर 2025 को मध्यप्रदेश ने 35 वर्षों से चले आ रहे लाल आतंक को समाप्त कर नक्सल मुक्त बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।
- वर्ष 2025 में नक्सल विरोधी अभियानों में 16 मुठभेड़ों/एक्सचेंज ऑफ फायर में 13 हार्डकोर नक्सली मारे गए और एक की गिरफ्तारी हुई।
- जून 2025 में बालाघाट में हुई मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए, इनमें 3 महिलाएं शामिल थीं। इनके कब्जे से ऑटोमैटिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

सीएम यादव ने बाबा विश्वनाथ-कालभैरव का लिया आशीर्वाद

बनारस की गलियों में घूमे मोहन यादव, 'मलइयो' खाई, पूछा- क्या खिलाओगे?

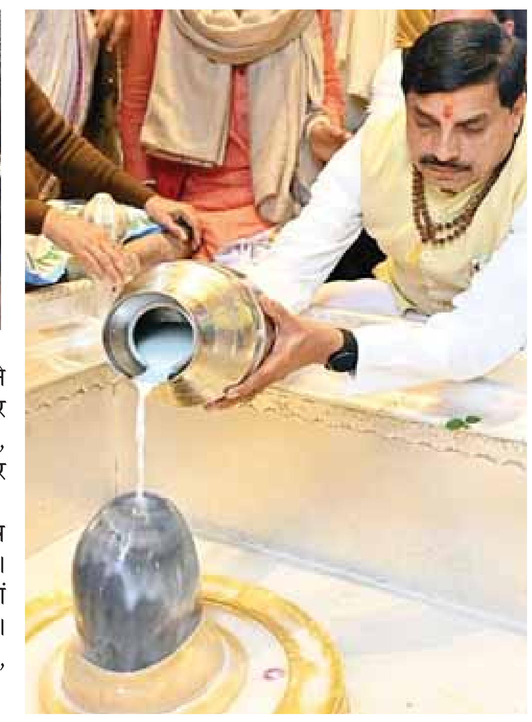

भोपाल/वाराणसी (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार रात वाराणसी पहुंचे थे। सोमवार सुबह सीएम ने काल भैरव मंदिर में बाबा का विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया। हाथ में काला धागा भी बंधवाया। सीएम यादव काशी की गलियों में घूमने भी निकले। उन्होंने ठेठ बनारसी अंदाज में लोगों से बातचीत की। वाराणसी में सोमवार को काल भैरव मंदिर में दर्शन और पूजन किया। काशी की गलियों में घूमते हुए एक दुकान पर रुके। उन्होंने दुकानदार से कहा-क्या खिलाओगे? यहां सबसे फेमस मिठाई 'मलाईयो' का स्वाद चखा। पूजा और गलियों में घूमने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव वाराणसी से जौनपुर के लिए रवाना हो गए थे। वहां, वह खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव के घर करंजाकला समसपुर पनियरिया में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सीएम मोहन यादव का एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया स्वागत- सीएम मोहन यादव का हेलिकॉप्टर रविवार रात लगभग 10 बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एयरपोर्ट पर ही भाजपा के पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।वहां से सीधे ताज होटल पहुंचे। एमपी के मुख्यमंत्री से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुलाकात की। संगठनात्मक विषयों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। इसके अलावा क्षेत्रीय राजनीति, विकास से जुड़े मुद्दों और आपसी समन्वय पर भी विचार-विमर्श किया गया।

- **30 मिनट कर बाबा विश्वनाथ की पूजा-अर्चना-** सोमवार सुबह करीब 11 बजे सीएम डॉ. मोहन यादव, बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने करीब आधा घंटे तक विधिपूर्वक बाबा का अभिषेक किया। इसके बाद मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे। मध्य प्रदेश से आए श्रद्धालु सीएम को देखकर काफी उत्साहित दिखे। उनके बीच जाकर हाल-चाल जाना और सबसे आशीर्वाद लिया।
- **गली में खड़े होकर खाया मलइयो-** पूजा के बाद वह काशी की गलियों में घूमने निकले। ठेठ बनारसी अंदाज में लोगों से बातचीत करते नजर आए। वह काल भैरव मंदिर भी पहुंचे। वहां बाबा का विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया और हाथ में काला धागा भी बंधवाया। फिर गलियों में घूमते हुए एक दुकान पर रुके। दुकानदार से पूछने पर कहा- क्या खिलाओगे? दुकानदार ने उनको सबसे प्रसिद्ध मिठाई 'मलाईयो' का स्वाद चखाया। सीएम यादव का यह अनौपचारिक अंदाज स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया।
- **सीएम मोहन यादव बोले- यूपी अद्भुत, भाजपा विकास के पथ पर अग्रसर-** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा-यूपी अद्भुत है। बाबा विश्वनाथ की नगरी में आकर मन प्रसन्न हुआ। यह प्रधानमंत्री जी का गृह नगर है। उन्होंने यूपी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष को भी बधाई दी। कहा- उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ेगी। हम सभी प्रधानमंत्री जी के दिशा-निर्देशों के अनुसार लगातार विकास के पथ पर काम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है।

भोपाल में 2 दिन मृत और गायब-शिफ्टेड वोटर्स का वेरिफिकेशन

कलेक्टर ने पूछा-रामबाई क्या यहां रहती हैं? जवाब मिला नहीं, ऐसे ही 92 मतदाता का जिम्मा

भोपाल (नप्र)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में एएसडीआर यानी, मृत, एबसेंट, शिफ्टेड, डबल और अन्य कैटेगरी के वोटर्स की जांच करने के लिए सोमवार से भोपाल के अफसर मैदान में उतर गए हैं। अगले 2 दिन तक वे 2 लाख से ज्यादा वोटर्स की जांच करेंगे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने खुद 92 वोटर्स के वेरिफिकेशन का जिम्मा लिया है। अनकलेक्टेबल कैटेगिरी में शामिल मतदाताओं की जांच के लिए कुल 551 अधिकारी, बीएलओ और सुपरवाइजर की जिम्मेदारी तय की गई है। हर अधिकारी और कर्मचारी को बूथ का जिम्मा सौंपा गया है। 15 और 16 दिसंबर को वे घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे।

निगम कमिश्नर, एडीएम-एसडीएम को भी जिम्मा- कलेक्टर सिंह ने भोपाल मध्य विधानसभा के पोलिंग बूथ नंबर-150 का जिम्मा लिया है। यहां कुल 92 वोटर्स की जांच वे करेंगे। सोमवार सुबह 11 बजे से उन्होंने वेरिफिकेशन शुरू कर दिया था। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को 104, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी को 108, एडीएम सुमित पांडेय को 109, अंकुर मेश्राम को 106, पीसी शाक्य को 103, प्रकाश नायक के पास 101 वोटर्स की जांच का जिम्मा सौंपा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता के साथ सभी ज्वाइंट कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और जिला अधिकारियों को भी विधानसभा के हिसाब से जिम्मेदारी दी गई है।

कलेक्टर ने पूछा- रामबाई यहां रहती हैं?

कलेक्टर सिंह सुभाषनगर पहुंचे। एक मकान में रहने वाली लड़की से पूछा कि क्या यहां रामबाई रहती हैं? इस पर लड़की ने कहा कि वे और उनके पति उमाशंकर अशोका गार्डन में शिफ्ट हो गए हैं। इसके बाद कलेक्टर ने संबंधित वोटर का मोबाइल नंबर और पते की जानकारी ली। ताकि, दूसरी जगह पर वेरिफिकेशन किया जा सके। सोमवार को सभी अधिकारी मैदान में उतर गए। आज अधिकांश वोटर्स के घरों पर जांच कर वे पता लगाएंगे कि एसआईआर के दौरान जो जानकारी दी गई है, वह सही है या गलत? उप जिला निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने बताया कि ऐसे मतदाता जो मृत, एबसेंट, शिफ्टेड, डबल और अन्य कैटेगरी में दर्ज हैं।

गोविंदपुरा में सबसे ज्यादा शिफ्ट हुए, नरेला में मृतकों की संख्या ज्यादा

भोपाल की वोटर्स लिस्ट से 4 लाख 7944 वोटर्स ऐसे हैं, जो एसआईआर में या तो अपने पत्ते पर नहीं मिले या फिर और कहीं शिफ्ट हो गए। इनमें से 31 हजार से ज्यादा मतदाता मृत भी हो चुके हैं। प्रदेश सरकार में मंत्री कृष्णा गौर की गोविंदपुरा विधानसभा में 61 हजार से ज्यादा वोटर शिफ्ट हुए हैं। वहीं, मंत्री विश्वास सारंग की विधानसभा नरेला में 5679 वोटर मृत मिले। हुजूर विधानसभा में भी मृत वोटर की संख्या 5 हजार से ज्यादा है। हालांकि लगातार वेरिफिकेशन के बाद यह संख्या 2 लाख 7 हजार 378 हो गई है।

परिवहन विभाग के प्रवर्तन अमले को चालानी कार्रवाई के लिये मिली पीओएस मशीनें

● प्रदेश में 45 रोड सेफ्टी एंड इन्फोर्समेंट प्वाइंट के माध्यम से जाँच

भोपाल (नप्र)। परिवहन विभाग ने प्रदेश में वाहन चेकिंग की पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा सुशासन के उद्देश्य से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत राज्य के परिवहन चेकपोस्टों को बंद कर दिया है। इनके स्थान पर 45 रोड सेफ्टी एंड इन्फोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट जाँच का कार्य कर रहे हैं। जाँच कार्य के लिये प्रवर्तन बल (इन्फोर्समेंट फोर्स) को बॉडीवॉर्न कैमरे उपलब्ध कराये गये हैं। इन कैमरों की निगरानी में पीओएस मशीन के माध्यम से वाहनों के विरुद्ध ऑनलाइन चालानी कार्रवाई की जा रही है। राज्य में प्रवेश करने वाले अन्य राज्यों के वाहनों द्वारा ई-चेकपोस्ट मॉडल के माध्यम से ऑनलाइन मोटरयान कर जमा करने की सुविधा दी गई है। प्रवर्तन अमले द्वारा बॉडीवॉर्न कैमरे का उपयोग करने से वाहन चेकिंग के दौरान प्रत्येक कार्यवाही की मॉनीटरिंग वास्तविक समय (रियल टाइम) में कंट्रोल एंड कमाण्ड सेंटर के माध्यम से की जा रही है। परिवहन विभाग की इस व्यवस्था से न केवल वाहन चालकों में विश्वास बढ़ा है, बल्कि वाहन चेकिंग के दौरान आने वाली अवैध वसूली की शिकायतेंभी काफी कम हो गई हैं। इस व्यवस्था से परिवहन विभाग ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इण्डिया के सपने को साकार किया है।

कैशलेस चालानी कार्रवाई- परिवहन विभाग के अमले को पीओएस मशीन उपलब्ध कराने से वाहनों के विरुद्ध की जाने वाली चालानी कार्रवाई को ऑनलाइन तथा कैशलेस रूप में किया जा रहा है। प्रदेश में मोटरयान परिवहन से संबंधित प्रावधानों के उल्लंघन पर स्व-चलित पद्धति ई-डिटेक्शन को नवम्बर-2025 से लागू कर दिया गया।

नए साल में होगी भोपाल निगम परिषद की मीटिंग

एमआईसी में 26 मुद्दों पर मंथन; हाईराइज प्रोजेक्ट समेत 3 को मंजूरी नहीं

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम की एमआईसी यानी मेयर इन कौंसिल की मीटिंग सोमवार को हुई। इसमें कुल 26 मुद्दों पर मंथन हुआ, लेकिन हाईराइज बिल्डिंग प्रोजेक्ट समेत 3 विषयों को मंजूरी नहीं दी गई। साथ ही चर्चा की कि परिषद की बैठक नए साल में की जाएगी। महापौर मालती राय, निगम कमिश्नर संस्कृति जैन की मौजूदगी में बैठक हुई। बैठक में मानस भवन के पास झुग्गियों के 27 परिवारों को मालीखेड़ी में विस्थापित किए जाने को लेकर चर्चा की गई। यहां ईडब्ल्यूएस स्लम श्रेणी के आवासों को 27 परिवारों के लिए आरक्षित किए जाने की मंजूरी दी गई। बता दें कि ये परिवार यहां से हटने के लिए तैयार नहीं हैं। इसे लेकर कांग्रेस भी मैदान में उतर चुकी है। दूसरी ओर जिला प्रशासन भी झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई कर रहा है।

इन 3 विषयों पर सहमति नहीं- बैठक में जिन 3 विषयों पर सहमति नहीं दी गई, उनमें भवन निर्माण और बड़ा तालाब को मत्स्याखेट के लिए पट्टे पर दिए जाने का प्रस्ताव शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्लाट नंबर-47 और 49 आवासीय सह व्यवसायिक प्रोजेक्ट के हाईराइज भवन के लिए प्राप्त निविदा को लेकर चर्चा की गई। वहीं, राजेंद्र नगर आवासीय परियोजना के लिए स्वीकृति संबंधित प्रस्ताव पर हामी नहीं भरी गई। बड़ा तालाब पर मछली पालन को लेकर प्रस्ताव पर भी सहमति नहीं दी गई है।

एमआईसी में इन प्रस्तावों को मंजूरी

- वर्ष 2025-26 सर्दी के मौसम में लगने वाली अस्थाई दुकानों की अनुमति।
- पार्किंग स्थलों को ठेके पर दिए जाने की मंजूरी दी गई।
- दुकान/भूखंड के आवंटन निरस्त हुए प्रकरणों में बकाया राशि जमा कराने के संबंध में।
- मानस भवन के पास स्थित झुग्गियों के 27 परिवारों को मालीखेड़ी में विस्थापन किए जाने के लिए ईडब्ल्यूएस स्लम श्रेणी के आवासों को आरक्षित किए जाने की स्वीकृति दी गई।
- प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत गंगानगर नॉन स्लम ईडब्ल्यूएस परियोजना में आवासों के रजिस्ट्रेशन के बाद 46 हितग्राहियों की स्वीकृति।
- प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत भौंरी नॉन स्लम ईडब्ल्यूएस परियोजना में आवासों के रजिस्ट्रेशन के बाद19 हितग्राहियों की स्वीकृति।
- नगर निगम भोपाल द्वारा अमृत 2.0 परियोजना के अंतर्गत अंशदान की राशि ग्रीन म्युनिसिपल बांड के माध्यम से जुटाने के लिए प्रस्ताव।
- प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत वाजपेयी नगर टीन शेड में निवासरत 157 परिवारों के सर्वे सत्यापन हितग्राही चयन के संबंध में।
- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के क्रियान्वयन के लिए दीपड़ी, राजेंद्र नगर, कलखेड़ा फेस-2 के संबंध में।
- पीएम ई-बस सेवा योजनांतर्गत कुल 195 इलेक्ट्रिक बसों के जीसीसी आधार पर संचालन एवं प्रति किमी/बस के मान से प्रदाय की जाने वाली राशि के लिए पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म पर चर्चा की गई।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 की बैलेंस शीट के संबंध में।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अंतर्गत आने वाली चिन्हित झुग्गी बस्ती (सेवनिया गोंड, बरखेड़ी खुर्द एवं सिंहपुर) के कुल 59 परिवारों के प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवास प्रदान किए जाने के लिए।

दिसंबर में दूसरी सबसे ठंडी रात, पारा 7.8 पर पहुंचा

बैतूल। उत्तर दिशा से आ रही ठंडी हवाओं के कारण जिले का तापमान लगातार नीचे लुढ़कते जा रहा है। रविवार रात का तापमान 7.8 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं एक दिन पहले रात का तापमान 8.7 डिग्री पर था। तापमान के गिरने से जिले में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन की दूसरी सबसे ठंडी रात रही। इससे पहले 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। मौसम विभाग के अनुसार, जिले में 23 नवंबर से तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में रात का तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच था, जबकि अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ था। दिसंबर के पहले सप्ताह में पारा धीरे-धीरे 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने लगा। 11 दिसंबर को सीजन का सबसे न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। 12 दिसंबर के बाद से सुबह तेज सर्द हवाएं और कोहरा महसूस किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर दिशा से आ रही ठंडी हवाएं अब मध्यप्रदेश के मध्य हिस्सों तक पहुंच चुकी हैं। इसके परिणामस्वरूप, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। सुबह के समय सैर के लिए निकलने वाले लोगों ने भी कड़ाके की ठंड महसूस की।

खाद की कालाबाजारी में 7 महीने में 91 एफआईआर

देश में तीसरे नंबर पर एमपी, 204 के लाइसेंस सस्पेंड, यूपी में सबसे ज्यादा केस

भोपाल(नप्र)। खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और डायवर्जन यानी गलत जगह सप्लाई के खिलाफ की गई कार्रवाई में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 28 नवंबर 2025 के बीच मध्य प्रदेश में कुल 91 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि 204 खाद विक्रेताओं और संस्थानों के लाइसेंस निलंबित या रद्द किए गए।

यूपी सबसे आगे, एमपी टॉप-3 में- देशभर के आंकड़ों पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में खाद की कालाबाजारी, खराब क्वालिटी, गलत जगहों पर सप्लाई जैसे मामलों को लेकर 197 एफआईआर दर्ज की गई, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। राजस्थान 103 एफआईआर के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, 91 एफआईआर दर्ज कर मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर है।

प्रदेश में यह कार्रवाई हुई

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में अप्रैल से 28 नवंबर 2025 के बीच 5,581 निरीक्षण और छापे की कार्रवाइयां की गईं। इस दौरान एमपी में 204 लाइसेंस सस्पेंड और रद्द किए गए। कालाबाजारी के साथ-साथ खाद के डायवर्जन (गलत जगह सप्लाई) और घटिया गुणवत्ता के मामलों में भी कार्रवाई हुई।

खाद के मामले में राज्यों की स्थिति

- कालाबाजारी में हर मोर्चे पर उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे।
- जमाखोरी में नोटिस कर्नाटक, लाइसेंस कार्रवाई उत्तर प्रदेश और एफआईआर राजस्थान में सबसे ज्यादा।
- घटिया गुणवत्ता में महाराष्ट्र सबसे बड़ा एक्शन स्टेट।
- गलत सप्लाई/विपथन में नोटिस ओडिशा, लाइसेंस कार्रवाई मध्य प्रदेश और एफआईआर राजस्थान में सबसे ज्यादा।
- कुल एफआईआर के आधार पर उत्तर प्रदेश पहले, राजस्थान दूसरे और मध्य प्रदेश तीसरे स्थान पर।

कालाबाजारी में यूपी देश में अव्वल

खाद की कालाबाजारी में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। यूपी में खाद की ब्लैक मार्केटिंग के मामले में 2043 नोटिस जारी किए गए। यूपी में 2742 लाइसेंस रद्द या सस्पेंड किए गए। कालाबाजारी के मामले में देश में सबसे ज्यादा 165 एफआईआर भी यूपी में ही दर्ज की गईं।